प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

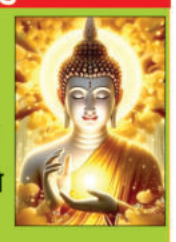

सहना चाहिए, मौके पर कहना भी चाहिए और शांति के साथ रहना भी चाहिए...।

भगवान गौतम बुद्ध

वर्ष-08, अंक - 25 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 02 अप्रेल 2026 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद

भारत की 16 वीं जनगणना का आग़ाज़

माही की गूंज, झाबुआ डेस्क।

संजय भटेवरा

विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद भारत की जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। पहली बार यह जनगणना पूरी तरह पेपर लेस यानी डिजिटल मोड़ में होगी। इसमें नवीनतम तकनीक जियो रेफरेंसिंग का इस्तेमाल होगा। मकान सूचीकरण और मकान गणना में हर घर की लोकेशन डिजिटल मैप पर दर्ज होगी। जिससे न तो किसी मकान के छूटने की संभावना है और न ही किसी मकान की दोहरी गणना संभव है। पहले चरण में मकान सूचीकरण यानी हाउस लिसिंटग का कार्य होगा। जनसंख्या की गणना दूसरे चरण में फरवरी 2027 में होगी और जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को मध्य रात्रि रहेगी। इस तारीख से जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा तय होगा। आजादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना का आंकड़ा जुटाया जाएगा। आजादी के पूर्व 1931 में जातिगत जनगणना हुई थी। सरकार ने जनगणना के आंकड़ों की सुरक्षा के लिए इसे अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचा (सीआईआई) की श्रेणी में शामिल किया है। जिसमें यह आंकड़ा पूरी तरह गोपनीय रहेगा और आरटीआई यानी सूचना के अधिकार अधिनियम के बाहर रहेगा। तथा किसी भी सरकारी योजना या कोर्ट में सबूत के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकेगा। जनगणना डेटा को वहीं अभेद सुरक्षा मिलेगी जो परमाणु ऊर्जा केंद्रों, नेशनल पावर ग्रिड या मिलेक्ट्री (सैनिक) नेटवर्क को मिलती है। जनगणना का डाटा नेशनल क्रिटिकल इनफार्मेशन प्रोटेक्शन सेंटर (एनसी 11 पीसी) यानि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र की निगरानी में रहेगा। जिसके बाद डेटा लिंक से समुदायो को टारगेट करने या विदेशी ताकतो द्वारा आंतरिक नीतियों को प्रभावित करने संबंधि कोई आंशका नहीं रहेंगी। केवल अधिकृत अधिकारी ही अपने

बायोमेट्रिक व डिजिटल सिग्नेचर से डेटा देख सकेगें। साथ ही डाटा लीक करने पर राष्ट्रीय सुरक्षा की धाराओं में कार्रवाई का प्रावधान है।

इन प्रश्नों के उत्तर देना होंगे

जिसमें लिव इन :- लंबे समय से साथ रह रहे जोड़े को जनगणना में विवाहित युगल माना जाएगा। भले ही वो लिव इन में रह रहे हो। अगर मोबाइल में एफएम है रेडियो गिना जाएगा। मोबाइल पर यूट्यूब देखना टीवी नहीं माना जाएगा, इसके लिए टीवी का होना जरूरी है। इसके अलावा कार/जीप की श्रेणी में ट्रैक्टर को वाहन नहीं माना जाएगा। ई-रिक्शा या ऑटो भी कार या बाईक की श्रेणी में नहीं गिना जाएगा। दिव्यांगों की ट्राइसाइकिल, साइकिल में ही दर्ज होगी। मल्टी स्टोरी प्लेट है तो छत कांक्रीट दर्ज होगी। फर्श/दीवार के लिए वह सामग्री चुन्नी होगी जो अधिकांश हिस्सों में लगी हो। घर में नल होने के बाद भी आप बाहर बोतल से या केन का पानी मंगाते हैं तो बोल्डट वाटर की श्रेणी में आएगा। वही सबसे ज्यादा खपत वाले मुख्य अनाज (गेहूं/चावल) का नाम बताना होगा। इसके साथ ही यदि घर के किसी हिस्से में खाना बन रहा है ओर सोते भी है तो उसे रसोई नहीं माना जाएगा। रसोई तभी दर्ज होगी जब घर में अलग से खाना बनाने के लिए किचन हो।

प्रगणक ये नहीं पूछेंगे

जनगणना के लिए नियुक्त प्रगणक आपसे महीने की कमाई या बैंक बैलेंस से जुड़ा कोई भी सवाल नहीं पूछेंगे। इसके साथ ही आधार, पेन या कोई भी अन्य पहचान पत्र दिखाने का दबाव नहीं देगें। बैंक खाता नंबर या ओटीपी जैसी निजी विवरण नहीं पूछे जाएगें।

साथ ही इस बार स्वगणना का विकल्प भी पहली बार दिया गया है। जिसके लिए आप वेब पोर्टल पर जाकर गूगल मैप पर घर की लोकेशन मार्क कर सकेगें जीसके बाद आपको 11 अंकों की एसईआईडी मिलेगी। यह आईडी आपके घर आने वाले प्रगणक को बतानी होगी। फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद ही फायनल डेटा दर्ज होगा। इसके लिए हिंदी, अंग्रेजी समेत 16 भाषाओं में जानकारी देने का विकल्प दिया गया है। एक मोबाइल नंबर से सिर्फ एक ही घर का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य के लिए प्रगणक को सही-सही व समय पर जानकारी देवे। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है इसलिए जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी निभाते हुए इस राष्ट्रीय कार्य के लिए बिना संकोच किए नियुक्त प्रगणक को अपनी जानकारी देना प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। क्योंकि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य के नीतिगत निर्णय होने हैं।

प्रगणक आपसे ये सवाल पूछेंगे...

जनगणना के लिए आपके पास शासन द्वारा नियुक्त प्रगणक आपसे निम्न सवाल पूछेंगे जिस के जवाब आपको देना है।

1. भवन संख्या (नगर पालिका या स्थानीय प्राधिकरण का नंबर)।
2. जनगणना का मकान नंबर।
3. मकान निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री (मिट्टी,लकड़ी, सीमेंट,पत्थर आदि।)।
4. दीवार में इस्तेमाल सामग्री (घास, ईट, पत्थर, कांक्रीट आदि)।
5. छत में इस्तेमाल सामग्री (खपरैल,टीन, लोही की चादर, कांक्रीट आदि)।
6. जनगणना मकान का उपयोग (आवासीय दुकान या अन्य)।
7. मकान की हालत (अच्छी, रहने योग्य या जर्जर)।
8. घर का नंबर।
9. परिवार में सामान्य रूप से रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या।
10. परिवार के मुखिया का नाम।
11. मुखिया पुरुष/महिला/थर्ड जेंडर।
12. क्या मुखिया अनुसूचित जाति (एससी) है।
13. क्या मुखिया अनुसूचित जनजाति (एसटी) है।
14. क्या मुखिया किसी विशेष समुदाय।
15. मकान के मालिकाना हक की स्थिति (अपना या किराए का)।
16. परिवार के पास रहने के लिए कमरों की संख्या।
17. परिवार में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या।
18. पीने के पानी का मुख्य स्रोत (नल, हेडपंप, कुआं आदि)।
19. क्या पानी का स्रोत परिसर के भीतर है या बाहर।
20. प्रकाश (रोशनी) का स्रोत (बिजली, केरोसिन, सौर ऊर्जा आदि)।
21. शौचालय की उपलब्धता और उसका प्रकार।
22. गंदे पानी की निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था।
23. स्नान (नहाने) की सुविधा की उपलब्धता।
24. रसोई की उपलब्धता और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन।
25. खाना पकाने के लिए ईंधन (गैस, लकड़ी, कोयला आदि)।
26. रेडियो/ ट्रांजिस्टर की उपलब्धता।
27. टेलीविजन की उपलब्धता।
28. इंटरनेट की सुविधा (ब्राड बैंड/मोबाइल डेटा)।
29. लैपटॉप/कम्प्यूटर की उपलब्धता।
30. टेलीफोन/मोबाइल फोन/ स्मार्टफोन।
31. साइकिल की उपलब्धता।
32. स्कूटर/मोटरसाइकिल/मोपेड की उपलब्धता।
33. कार/जीप/वेन की उपलब्धता।

विमान ईंधन के दामों में भारी बढ़ोतरी

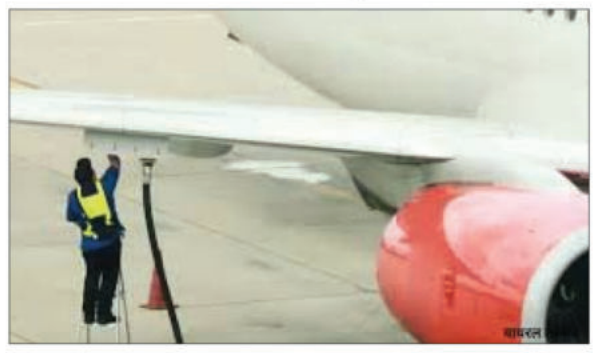

नई दिल्ली।

मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय विमानन क्षेत्र पर दिखाई देने लगा है। देश में विमान ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने इसके दामों में 114.5 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है, जिसके बाद दिल्ली में इसकी कीमत 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर के स्तर पर पहुंच गई है।

यह बढ़ोतरी वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान दर्ज उच्चतम स्तर से भी अधिक है। एक मार्च को 5.7 प्रतिशत की वृद्धि के बाद यह लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी है। विमानन कंपनियों के कुल परिचालन खर्च में ईंधन का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होता है। ऐसे में मध्य-पूर्व में हवाई मार्गों पर पाबंदियों के कारण लंबा रास्ता तय कर रही विमान सेवाओं पर आर्थिक दबाव और बढ़ने की संभावना है।

इस स्थिति के चलते विमानन कंपनियां बढ़ते खर्च की भरपाई के लिए किराए में वृद्धि कर सकती हैं। यात्रियों को महंगे हवाई टिकटों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनियां ईंधन अधिभार भी बढ़ा सकती हैं, जो आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में लागू किया जाता है।

संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। कुवैत, सऊदी अरब और इराक जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने उत्पादन में कमी की है, वहीं निर्यात मार्गों पर दबाव बढ़ गया है। आवश्यक ढांचागत सुविधाओं और वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के कारण क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ी है। इसके चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन भी प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है।

जानकारों के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियां पहले से ही अधिक ईंधन खर्च कर रही हैं, क्योंकि उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वैकल्पिक लंबे मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं। पिछले महीने कई घरेलू विमानन कंपनियों ने ईंधन अधिभार बढ़ाया था और अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ ने भी इस क्षेत्र की स्थिति के कारण हवाई किराए में वृद्धि की संभावना जताई है।

उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियां प्रत्येक माह की पहली तारीख को ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं। ये परिवर्तन वैश्विक मानकों और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के आधार पर होते हैं।

कत्ल के आरोपी आसिफ उर्फ बम का शॉर्ट एनकाउंटर...

भोपाल।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हत्या के आरोपी आसिफ उर्फ बम का शॉर्ट एनकाउंटर होने का मामला सामने आया है। यह घटना उस समय हुई, जब पुलिस उसे पकड़कर शहर ला रही थी और उसने रास्ते में भागने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया।

आरोपी आसिफ उर्फ बम को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस टीम उसे भोपाल ला रही थी। इसी दौरान रातीबड़ इलाके के पास उसने अचानक पुलिस को चकमा देकर फरार होने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना, जिसके बाद हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी।

पुलिस की गोली आसिफ के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया और मौके पर ही गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे तुरंत पकड़ लिया और घायल हालत में इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि आसिफ उर्फ बम पर हाल ही में एक सनसनीखेज हत्या का आरोप है। बीते रविवार की रात अशोका गार्डन इलाके में मामूली विवाद के बाद उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर 35 साल के चाय कारोबारी पर चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गई थी, जिसके बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था.

घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की थी। इसी क्रम में आसिफ को पकड़ा गया था। पुलिस उसे आगे की पूछताछ के लिए भोपाल ला रही थी, लेकिन रास्ते में उसने भागने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। वहीं, इस शॉर्ट एनकाउंटर के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुटी हुई है।

परमाणु हथियारों की होड़ तेज, कई देशों के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं, वहीं ईरान भी उनके हमलों का जवाब दे रहा है। इस संघर्ष ने वैश्विक स्थिति को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां से समाधान का मार्ग कठिन नजर आ रहा है। पिछले एक वर्ष में अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर दो बड़े हमले किए हैं, जिनका उद्देश्य उसकी परमाणु क्षमता को समाप्त करना रहा है। वर्तमान में ईरान में पिछले कई सप्ताह से सैन्य अभियान जारी है।

जानकारों के अनुसार इस संघर्ष ने विश्व स्तर पर परमाणु हथियारों की होड़ को पुनः तेज कर दिया है। लंबे समय से नियंत्रित यह प्रवृत्ति अब फिर उभरती दिखाई दे रही है। ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के प्रयास अब उल्टे प्रभाव डालते नजर आ रहे हैं। यूरोप से लेकर पूर्वी एशिया तक कई देश अपनी परमाणु नीतियों की पुनर्समीक्षा कर रहे हैं। बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच अनेक देशों में अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं परमाणु हथियार विकसित करने की सोच मजबूत हो रही है।

एक समय था जब कई देश अमेरिका की परमाणु सुरक्षा छत्रछाया में स्वयं को सुरक्षित मानते थे, किंतु अब परिस्थितियां बदल रही हैं। यूरोप में जर्मनी और पोलैंड जैसे देश फ्रांस के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जिसमें यूरोपीय स्तर पर परमाणु सुरक्षा व्यवस्था की बात कही गई है। उन्हें आशंका है कि अमेरिका भविष्य में अपना सहयोग कम कर सकता है। वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र में जापान और दक्षिण कोरिया की चिंताएं भी बढ़ रही हैं।

अमेरिका ने भी संकेत दिए हैं कि वह लंबे अंतराल के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू कर सकता है। रूस की नई सैन्य तकनीकों, जैसे पनडुब्बी आधारित मानवरहित प्रणाली और लंबी दूरी की प्रक्षेपास्त्र प्रणाली ने अमेरिका की चिंता बढ़ाई है। सऊदी अरब ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यदि ईरान परमाणु हथियार विकसित करता है, तो वह भी पीछे नहीं रहेगा। हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

नाटो सदस्य तुर्की ने भी संकेत दिए हैं कि यदि ईरान परमाणु शक्ति बनता है, तो उसे भी इस दिशा में कदम उठाने पड़ सकते हैं। इस संघर्ष ने लीबिया और यूक्रेन जैसे देशों के उदाहरण को फिर से चर्चा में ला दिया है, जिन्होंने अपने परमाणु विकल्प छोड़ने के बाद बाहरी दबावों का सामना किया।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि अधिक देशों के पास परमाणु हथियार होना वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां परमाणु हथियारों की ओर झुकाव को बढ़ा रही हैं।

ईरान से संबंधित घटनाक्रम ने परमाणु प्रसार रोकने के लिए बने अंतरराष्ट्रीय तंत्र पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की संसद में परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने के लिए विधेयक प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का सरकार पर तीखा प्रहार

गुवाहाटी।

कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के नाजिरा में आयोजित जनसभा के दौरान राज्य और केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए लोगों से वर्तमान सरकार को अस्वीकार करने और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने सरकार को ÷दोहरी गुलामी की सरकार÷ बताया। भाजपा ने चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन यह वादा पूरा नहीं हुआ और श्रमिक आज भी कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि असम के जनजातीय समुदाय वर्षों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे हैं, लेकिन सरकार इस दिशा में सफल नहीं हो सकी है।

आरोप लगाया कि, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। साथ ही कहा कि वर्तमान सरकार केवल तब कार्य करती है जब उसमें उसे अपना लाभ दिखाई देता है, जबकि देश की परंपरा जनसेवा की रही है। उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसी सरकार की आवश्यकता है जो जनता को भयभीत न करे, बल्कि ईमानदारी से सेवा करे और संस्कृति व परंपरा को सुदृढ़ बनाए।

प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि, ÷दो इंजन वाली सरकार÷ का नारा असफल साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय ÷दो इंजन वाली सरकार÷ की बात कही गई थी, लेकिन वास्तविकता में यह दोहरी गुलामी की सरकार बन गई है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के गायक जुबीन गर्ग को न्याय दिलाने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि, यदि उनकी सरकार बनती है तो 100 दिनों के भीतर उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

शादी में शराब नहीं पिलाने पर पड़ोसियों ने पीटा

ग्वालियर।

ग्वालियर जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने सामाजिक मर्यादाओं और कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिले के आरोन थाना क्षेत्र के पटाई गांव में नई नवेली दुल्हन के ससुराल पहुंचते ही खुशियों का माहौल विवाद में बदल गया। कारण केवल इतना था कि दूल्हे ने पड़ोसियों की शराब की मांग पूरी नहीं की।

पटाई गांव निवासी महेश का विवाह 30 मार्च को हुआ था। 31 मार्च की शाम वह अपनी दुल्हन को विदा कराकर घर लौटा था, घर में मेहमान उपस्थित थे और नई बहू की मुंह दिखाई की रस्म चल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले मनोज और भीम अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे और दूल्हे से विवाह की खुशी में शराब के लिए पैसो की मांग करने लगे।

महेश द्वारा मना करने पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूल्हा, दुल्हन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट की। घर में मौजूद अतिथियों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुके थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं, जहां छोटी-छोटी बातों पर हिंसक विवाद हो जाते हैं। यह घटना सामाजिक अनुशासन और कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर संकेत देती है।

साजिशः समुद्री पौधा बताकर जैनी को मछली खिलाने का आरोप

पुणे।

अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को भ्रमित कर मछली को समुद्री पौधा बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोखाधड़ी का सिलसिला लगभग छह वर्षों तक चलता रहा।

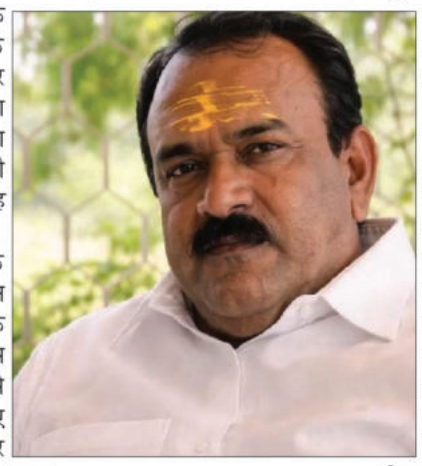

जांच अधिकारियों के अनुसार, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली का सेवन करता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं, बल्कि समुद्र में उत्पन्न होने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि प्राप्त होती है। आरोप है कि खरात ने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए यह भी कहा कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और उसमें से रक्त भी नहीं निकलता, इसलिए उसे पौधे के समान माना जा सकता है। इन दावों के माध्यम से उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूल किए।

जांच एजेंसियों का मानना है कि, यह मामला केवल धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित धोखाधड़ी का हिस्सा है। कई व्यापारी उनके प्रभाव में आकर व्यापार और भविष्य से संबंधित सलाह लेते थे।

मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार की बात सामने आई। राज्यभर में 100 से अधिक प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि विशेष जांच दल ने सामाजिक माध्यमों से लगभग 3,500 से अधिक कड़ियों को हटाया है। पुलिस के अनुसार अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके विरुद्ध यौन उत्पीड़न के 11 प्रकरण दर्ज हो चुके हैं।

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

माही की गूंज, सारंगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सेक्टर सारंगी में नवांकुर संस्था उन्नति सामाजिक सेवा समिति रुपापाड़ा एवं प्रस्फुटन समिति द्वारा चौराहे के पास जल मंदिर (प्याऊ) का उद्घाटन किया ।

ग्राम पंचायत बोड़ायता में सेक्टर प्रभारी राजू सोलंकी एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र सगूलाल गणावा ने पूजन अर्चना की। साथ ही सेक्टर सारंगी राजू सोलंकी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि, जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 19 मार्च से इसका शुभारंभ किया। अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल स्रोतों का पूजन,साफ सफाई गहरी करण सामूहिक श्रमदान रैली संगोष्ठी हेतु जन जागरण अभियान चलाया जाएगा।

जनगणना 2027 फील्ड ट्रेनर्स द्वितीय बैच के प्रशिक्षण का अवलोकन

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में जनगणना 2027 के कार्यों के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुचारू क्रियान्वयन के उद्देश्य से फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 मार्च 2026 से 02 अप्रैल 2026 तक सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में आयोजित किया जा रहा है।

प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि, जनगणना जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य में प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स को निर्देशित किया कि, वे जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया को भली-भांति आत्मसात करें, ताकि वे मैदानी अमले को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण प्रदान कर सकें तथा क्रियान्वयन के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। फील्ड ट्रेनर्स मैदानी अमले को प्रशिक्षण देते समय सरल एवं स्पष्ट भाषा का उपयोग करें, ताकि प्रत्येक गणनाकर्मी विषयवस्तु को आसानी से समझ सके। साथ ही, तकनीकी पहलुओं एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग में दक्षता विकसित करने पर भी जोर दिया । कलेक्टर ने कहा कि सर्वे कार्य संवेदनशील होता है, इसलिए नागरिकों के साथ संवाद करते समय विनम्रता, धैर्य एवं संवेदनशीलता बनाए रखना भी प्रशिक्षण का हिस्सा है।

बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के दीदार के लिए उमड़ी भीड़

डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के दीदार करते समाज जन।

माही की गूंज, आम्बुआ।

बोहरा समाज के 53 वें धर्मगुरु डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब बुधवार शाम को आम्बुआ पहुंचे। आलीराजपुर जिले में कुछ ही दिनों के प्रवास पर रहेंगे। धर्मगुरु के आगमन पर उनका दीदार करने के लिए समाजजनों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने कतार में खड़े होकर अपने आकामौला के दर्शन का लाभ लिया।

बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब बरझर से कार द्वारा सड़क मार्ग से आम्बुआ पहुंचे। आम्बुआ आगमन पर उनका मार्ग पर समाजजनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समाज के स्काउट बैंड से जहां उनका स्वागत हुआ। वहीं समाजजनों ने कतार में खड़े होकर धर्मगुरु डॉ. सैयदना साहब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विशेष बात ये रही कि, पूरे कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था बुरहानी व टीकेएम गार्डों द्वारा संभाली गई।

दुष्कर्म की झूठी कहानीः प्रेमी को बचाने के लिए रची थी साजिश

सतना।

जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की ने स्वयं के गर्भवती होने की बात छिपाने और अपने प्रेमी को बचाने के लिए सामूहिक दुष्कर्म की झूठी कहानी गढ़ी। मंगलवार शाम जब एक वृद्ध महिला अपनी पोती को अस्वस्थ होने के कारण जिला चिकित्सालय लेकर पहुंची, तो चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बताया कि किशोरी पांच माह की गर्भवती है। यह सुनकर परिजनों के होश उड़ गए, जिसके बाद लड़की ने उन्हें गुमराह करने के लिए कहानी सुनाई कि विद्यालय के एक कक्ष में शिक्षक और दो नकाबपोश व्यक्तियों ने उसके साथ गलत काम किया है।

सामूहिक दुष्कर्म के इस गंभीर आरोप से प्रशासनिक और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और तत्काल जांच प्रारंभ की गई। किशोरी ने पुलिस को बताया कि यह घटना दीपावली के समय की है और भय के कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म के कोई साक्ष्य नहीं मिले। संदेह होने पर जब महिला उप-निरीक्षक प्रीति कुशवाहा ने किशोरी से अकेले में गहन पूछताछ की, तो उसने सत्य स्वीकार कर लिया। लड़की ने बताया कि उसका गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम-प्रसंग है और उसी के कहने पर उसने यह झूठी कहानी बनाई थी ताकि समाज के सामने सच न आ सके। सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है और अब मामले की विस्तृत जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विजय मेवाड़ा हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ में घायल

भोपाल। चाय कारोबारी विजय मेवाड़ा की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया। घटना के बाद शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा था। आरोपी को उपचार के लिए हमीदिया चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

यह घटना रविवार को अशोका गार्डन क्षेत्र में हुई थी, जहां विजय मेवाड़ा पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद से शहर में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने थाना परिसर के बाहर धार्मिक पाठ किया था, वहीं बुधवार को रोशनपुरा चौराहे पर भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी आसिफ केरवा क्षेत्र के जंगलों में छिपा हुआ था। पुलिस दल के पहुंचने पर उसने भागने का प्रयास किया और हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे पैर में गोली मारकर घायल कर दिया और गिरफ्तार कर लिया।

उधर, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोग मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ रहे थे, जिन्हें पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया और वहां से हटाया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने बताया कि, मामले की जांच जारी है और शेष आरोपियों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

अरहामा जंगलों में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में आतंकी ढेर

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में सुरक्षाबलों को आतंकवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। मध्य कश्मीर के अरहामा जंगल क्षेत्र में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकी मारा गया। यह अभियान भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम की कार्यवाही थी।

इस कार्रवाई की शुरुआत मंगलवार शाम को हुई, जब सुरक्षा एजेंसियों को अरहामा के घने जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सटीक खुफिया जानकारी मिली। सूचना मिलते ही सेना की चिनार कोर और पुलिस के जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। खुद को घिरा हुआ पाकर आतंकियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी कार्रवाई की।

मंगलवार रात जंगल की भौगोलिक परिस्थितियों और अंधेरे को देखते हुए मुठभेड़ को अस्थायी रूप से रोका गया, लेकिन घेराबंदी को और मजबूत किया गया। पूरी रात रणनीतिक रूप से क्षेत्र की निगरानी की गई, ताकि कोई आतंकी भाग न सके। बुधवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने फिर कार्रवाई शुरू की और एक आतंकी को मार गिराया।

सेना के अनुसार रुक-रुक कर हुई गोलीबारी के बीच जवानों ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। मारे गए आतंकी की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है और उसके संगठन के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई है।

वर्तमान में अरहामा के घने जंगलों में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों को आशंका है कि क्षेत्र में अन्य आतंकी भी छिपे हो सकते हैं। पूरे इलाके में कड़ी निगरानी रखी जा रही है और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

सुरक्षाबलों ने स्थानीय नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है और अभियान पूरा होने तक संबंधित क्षेत्र से दूर रहने को कहा है। घाटी में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भी तैनात किए गए हैं।

स्कूल चले हमः जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर ÷स्कूल चले हम अभियान÷ के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने नव-प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं साइकिलें वितरित कीं। तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि, शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने ÷जनसंख्या लाभांश÷ का उल्लेख करते हुए कहा कि, देश की इस शक्ति का सही उपयोग तभी संभव है जब युवा शिक्षित, कुशल एवं आत्मविश्वासी हों। विद्यार्थियों में निरंतर अभ्यास की आदत विकसित करने तथा सह-पाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से उनका आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी उन्होंने जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक, विद्यार्थियों के जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालयों में अनुशासन को प्राथमिकता देने की बात कही, क्योंकि अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।

गत वर्ष के शैक्षणिक परिणामों का उल्लेख करते हुए बताया कि, रामा ब्लॉक जिले में प्रथम स्थान पर रहा, जो शिक्षकों एवं प्राचार्यों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

सरकार की नई आबकारी नीति पर उठे सवाल

सस्ती देशी शराब के ठेके हुए, करोड़ो की अंग्रेजी शराब की दुकान बंद

माही की गूंज, पेटलावद।

सरकार की आबकारी नीति को लेकर सवाल उठने लगे है, प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष के लिए भी शराब दुकानों के टेंडर 20 प्रतिशत राशि बड़ा कर होना थे लेकिन प्रदेश के कई जिलों में शराब दुकानों को बड़े हुए दाम पर लेने को कोई ठेकेदार तैयार नहीं हुआ। जिन दुकानों के टेंडर नहीं हुए उस पर सरकार ने अपनी नीति में परिवर्तन किया। जिसके बाद कंपोजिटिव देशी शराब की दुकानो का टेंडर सरकार की दर से ऊंचे दर पर हो गए लेकिन अंग्रेजी की शराब दुकानों को कोई खरीदार नहीं मिले ।

पेटलावद की अंग्रेजी शराब की दुकान बंद, देशी पर मिल रही अंग्रेजी

कहा जा सकता है सरकार, सरकार के नियमो में उलझ गई, पहले अंग्रेजी ओर देशी शराब की दुकान अलग-अलग संचालित की जा रही हैं। लेकिन बाद में कंपोजिट दुकान के नाम पर देशी पे विदेशी शराब ओर विदेशी पर देशी शराब बेचने का निर्णय ले लिया गया। अब यही निर्णय सरकार को भारी पड़ता दिख रहा है और सरकार की करोड़ो की अंग्रेजी शराब की दुकानों को खरीदार नहीं मिला। जिसके पीछे कम लागत की देशी शराब की दुकान है जिस पर अंग्रेजी शराब भी उपलब्ध है। बात करे पेटलावद की तो यहां थांदला रोड स्थित देशी शराब दुकान का टेंडर होने के बाद खुली हैं। वहीं अप्रैल माह से शुरू हुए नए सत्र के बाद भी रूपगढ रोड स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान बंद पड़ी है। सूत्रों की माने तो सरकार की नीति कई जिलों में बड़े शराब ठेकेदारो के हिसाब से चल रही जिससे अंग्रेजी शराब दुकानों के दाम में कमी कर लेने की योजना हैं।

ऐतिहासिक शोभायात्रा से गुंजायमान हुआ नगर

माही की गूंज, पेटलावद।

भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव पेटलावद जैन समाज द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें समाजजनों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस आयोजन में नगर का वातावरण पूर्णतः धर्ममय हो गया। इस पावन अवसर पर समाजजनों द्वारा विविध धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह साढ़े 8 बजे शोभायात्रा के साथ की गई। शोभायात्रा में भगवान को सुसज्जित बग्गी में विराजित कर श्री आदेश्वर बड़ा जैन मंदिर से प्रारंभ किया गया। जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कार्यक्रम स्थल उदय मैरिज गार्डन पहुंची जहां समापन हुआ। शोभायात्रा में बैंड-बाजों की धार्मिक धुनों के साथ सजे-धजे घोड़े आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं छोटे बच्चे ध्वज लहराते हुए भक्ति भाव से नजर आए। पूरे मार्ग में जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा तथा मार्ग में नगर परिषद द्वारा शोभायात्रा का स्वागत भी किया गया। आयोजित सभा में कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से की गई। कार्यक्रम में श्री आदेश्वर जैन महिला मंडल द्वारा भक्ति पूर्ण गीतिका की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

रुद्राक्ष और कौड़ियों से दमके संकटमोचन खेड़ापति हनुमान

माही की गूंज,पेटलावद।

गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर नगर सहित पूरे क्षेत्र में हनुमान मंदिरों पर साज सज्जा ओर भंडारा प्रसादी की तैयारियों की गई। नगर खेड़ापति हनुमान, रूपगढ रोड स्थित पूर्व मुखी हनुमान मंदिर, खोरिया हनुमान मंदिर, छोटा राम मंदिर स्थित हनुमान मंदिर, दुलाखेड़ी हनुमान मंदिर, सहित बामनिया खेड़ापति मंदिर, रामपुरिया स्थित पंचमुखी सहित आसपास के क्षेत्र के हनुमान मंदिरो पर तैयारियां चल रही है जहां भंडारे, शोभा यात्रा , महाआरती की तैयारी चल रहीं है।

पेटलावद नगर के मेला ग्राउंड स्थित खेड़ापति (वीर दास हनुमान) मंदिर इन दिनों अपनी दिव्यता और भव्यता के कारण पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर यहाँ वीर दास के रूप में विराजमान हनुमान जी की आदमकद प्रतिमा का ऐसा मनोहारी श्रृंगार किया गया है जिसके दर्शनार्थ श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मंदिर की इस आस्था और जनविश्वास के बारे में पंडित प्रदीप बब्बन दवे बताते हैं कि, यहाँ के दरबार से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता और पवनपुत्र अपने दर पर आने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामना अवश्य पूर्ण करते हैं। इस वर्ष जन्मोत्सव को बेहद खास बनाने के लिए मंदिर समिति और भक्तों ने मिलकर विशेष तैयारियां की हैं। मंदिर परिसर की आकर्षक साज-सज्जा के साथ ही भगवान का जो चोला श्रृंगार किया गया है, वह अपनी विशिष्टता के कारण आकर्षण का केंद्र है। राजेश नागर, छोटू चतुर्वेदी और अशोक प्रजापत के अथक प्रयासों से यह विशेष चोला चढ़ाने का कार्य चार दिनों की कठिन साधना के बाद संपन्न हुआ। इस दिव्य श्रृंगार की सबसे बड़ी विशेषता इसमें प्रयुक्त सामग्री है, जिसमें 3 हजार पवित्र रुद्राक्ष और 1 हजार कौड़ियों का बड़ी ही सूक्ष्मता और कलात्मकता के साथ उपयोग किया गया है। रुद्राक्ष और कौड़ियों से सुसज्जित भगवान का यह स्वरूप भक्तों को मंत्रमुग्ध कर रहा है और जन्मोत्सव की पूर्व संध्या से ही समूचा मेला ग्राउंड क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया है। आपको बता दे कि, पूरे इलाके में यह ही एक दक्षिण मुखी मंदिर है जहां भगवान वीर एवं दास के रूप में भक्तों का कष्ट हरते है। अंचल का एक प्रमुख आस्था का केन्द्र है। जहा मंगलवार एवं शनिवार को विशेष पूजन आरती होती है।

अखंड रामायण पाठ के साथ बड़ी धूमधाम से मनेगा जन्मोत्सव

माही की गूंज, सारंगी।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी खेड़ापति हनुमान मंदिर पर सेवा समिति द्वारा हनुमान जी का जन्म उत्सव दो दिवसीय के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर एक अप्रैल से दो अप्रैल तक अखंड रामायण पाठ का आयोजन होगा। दो अप्रेल हनुमान जी के जन्मोत्सव पर एक कुंडीय मारुती यज्ञ का भी आयोजन होगा। मंदिर समिति ने बताया कि, एक अप्रैल को खेड़ापति हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया विशेष पूजा अर्चना के बाद श्री गणेश सुंदरकांड मंडल सारंगी द्वारा अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की। दो अप्रैल को रामायण पाठ पूर्ण होने के बाद एक कुंडीय मारुति महायज्ञ होगा। यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद श्री हनुमान जी की महा आरती उतारी जावेगी। महा आरती उतारने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर समिति द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है।

हनुमान जन्मोत्सवः होगा विशाल भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, खवासा।

स्थानीय बस स्टैंड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में एक दिनी अखंड रामायण पाठ का आयोजन रखा गया। साथ ही प्रतिवर्ष होने वाले भंडारे का आयोजन भी रखा गया है। आज प्रातः पूजन अर्चन के बाद महायज्ञ प्रारंभ किया जाएगा तथा ठीक 12 बजे महाआरती के पश्चात 56 भोग लगाकर भंडारा प्रारंभ किया जाएगा। हनुमान जयंती के उपलक्ष में हनुमान जी का आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। आयोजन समिति ने सभी ग्राम वासियों से भंडारा प्रसादी ग्रहण करने का निवेदन भी किया। इसके अलावा आसपास के गांवो में हनुमान मंदिर पर धार्मिक आयोजन व भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं। खेड़ापति हनुमान मंदिर पर भी हवन पूजन यज्ञ आदि धार्मिक आयोजन रखे गए हैं।

हनुमान प्रकट उत्सव बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा

माही की गूंज, पारा।

श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर पारा-झाबुआ मार्ग पर स्थित श्री महाबली पंचमुखी हनुमान मंदिर पर प्रकट महोत्सव बड़े हर्ष उल्लास के साथ आज मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान जी महाराज पंचमुखी हनुमान मंदिर पर ध्वजा दंड एवं कलश स्थापना की गई। पुजारी राजेश दास वैरागी ने बताया कि, दो दिवसीय कार्यक्रम श्री गरुड़ दास जी महाराज फ़तियापुरा जि. धार के सानिध्य में 1 अप्रेल बुधवार को प्रातः 9 बजे से देवता आहवान एवं हवन प्रारभ एवं 2 अप्रेल प्रातः साढ़े 6 बजे अन्नत बलवंत हनुमतलालजी जन्मोत्सव महाआरती तथा प्रातः 9 बजे से हवन प्रारंभ होगा। विशाल कलश एवं ध्वजा दण्ड स्थापना के पश्चात पूर्णाहुति के पश्चात प्रसादी वितरण की जाएगी।

डीजे साउन्ड सिस्टम जप्त

माही की गूंज, कुंदनपुर।

मंगलवार को कुन्दनपुर चौकी क्षेत्र में तेज आवाज में प्रितबंधित डी.जे.साउन्ड चलाने पर डी.जे. संचालक के विरुद्ध कुंदनपुर चौकी प्रभारी बृजेन्द्र सिंह छाबरिया एवं पुलिस टीम ने मिलकर कानून के आदेश का उल्लघन करने पर कानूनी कार्यवाही की गयी। जप्त मश्रुका में एक वाहन क्रमांक जीजे 06 एजेट 4083 में लगें 4 बेस, 4 टाप (लाईनरी) स्पीकर, 2 मासफेट, 1 मिक्कर, 1 क्रासओवर, 4 लाईट, 1 जनरेटर कुल किमत 7 लाख 50 हजार रूपए के जप्त किए। तथा वाहन चालक राहुल पिता प्रवीन सिंगाड जाति भील उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम बाल्दीमाल के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

जैन धर्मावलंबियों ने दिया सत्य अहिंसा का संदेश

माही की गूंज, थांदला।

इस अवसर्पिणी काल के अंतिम तीर्थंकर जैन धर्म के शासनाधीश श्रमण भगवान महावीरस्वामी के जन्म कल्याणक सकल जैन समाज ने धूम धाम से मनाई। स्थानीय आजाद चौक स्थित महावीर भवन पर सकल जैन समाज की महेश दीपेश शाहजी परिवार द्वारा नवकारसी का आयोजन रखा गया। उसके बाद सकल जैन समाज की प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें पुरुष वर्ग श्वेत व महिला वर्ग केसरिया परिधान पहने शामिल हुए। बच्चों के हाथों में परिधान व हाथ में जैन ध्वज था। वही पुरुषों के गलें में लाल दुपट्टा सामूहिक एकता का परिचय करवा रहा था। प्रभात फेरी बैंड बाजों के साथ वीर प्रभु महावीरस्वामी के प्रसिद्ध नारों त्रिशला नन्दन वीर की, जय बोलों महावीर की, भगवान महावीर का दिव्य संदेश जियो और जीने दो, घर-घर से आई आवाज महावीरस्वामी की जयजयकार, संयम जिनका सख्त है तभी तो लाखों भक्त है जैसे जयनाद नारों से नगर का वातावरण गुंजायमान हो गया। प्रभात फेरी में महावीरस्वामी की प्रतिमा व उनके जन्म पूर्व माता द्वारा देखें गए 14 स्वप्नों की प्रदर्शनी से सुसज्जित रथ शामिल हुए जिसकी जगह-जगह मूर्तिपूजक संघ सदस्यों ने गवली की। प्रभात फेरी नगर के प्रसिद्ध मंदिर व जिनालय होते हुए स्थानीय पौषध भवन पर विराजित महासती पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा-4 के सानिध्य में गुणानुवाद सभा के रूप में परिवर्तित हो गई।

महावीर बनने के लिए वीर सी साधना आवश्यक

गुणानुवाद सभा में पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. ने कहा कि, भगवान का माता-पिता द्वारा दिया नाम वर्धमान था पर उनकी वीरता देख कर देवों ने उन्हें महावीर नाम दिया। आपने कहा कि, सहस्त्र योद्धाओं को जो जीते वह वीर होता है लेकिन जो स्वयं अपने आप को जीते वही महावीर कहलाता है।

महासती ने कहा कि, आज जीवन में सहनशीलता, धैर्यता व कषाय मंदता का आभाव है जिससे आपसी राग-द्वेष बढ़े है परंतु भगवान के सिद्धांत मैत्री, क्षमा, सहिष्णुता को यदि धारण किया जाए तो सकल विश्व को शांति प्राप्त हो सकती है। धर्मसभा में पूज्या श्री प्रियशीलाजी म.सा. ने कहा कि, हम भगवान के शासन में साधना कर रहे है इसलिए हम उनका जन्म कल्याणक मना रहे है। पूज्या श्री ने कहा हमें भगवान के दिव्य साधनामय जीवन से प्रेरणा लेकर उस पर चलने की साधना करना चाहिए। पूज्या श्री दीप्तिजी म.सा. ने मधुर स्तवन के माध्यम से कहा कि, जन्मदिन वीर प्रभु का दीक्षा दिन गुरु का जय महावीर जय उमेश के नारें तो खूब लगाये परन्तु जीवन में उनसा समर्पण कितना लाये यह प्रश्न स्वयं से उठाये। सभा में स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष प्रदीप गादिया, दिगम्बर संघ से कांतिलाल मेहता, मूर्ति पूजक संघ से संदीप लोढ़ा, अणु आराधना मण्डल, समीक्षा घोड़ावत आदि ने सबको शुभकामनाएं देते हुए प्रभु महावीर स्वामी के साथ पूज्य गुरुदेव को याद किया। साथ ही यहाँ विराजित पूज्या श्री दीप्तिजी म.सा. को भी उनके 15 वीं दीक्षा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनकी संयम यात्रा की अनुमोदन की। दोपहर में कला श्रीश्रीमाल, पुष्पा घोड़ावत आदि की ओर से महामंत्र जाप का आयोजन रखा गया। दोपहर स्वामी वात्सल्य के लाभार्थी वर्धमान, मयूर, देवेंद्र तलेरा रहे।

विपणन सहकारी संस्था के प्रबंधक पटेल हुए सेवानिवृत्त

माही की गूंज ,पेटलावद। विपणन सहकारी संस्था मर्यादित पेटलावद के प्रबंधक मांगीलाल पटेल के सेवानिवृत्त होने पर सोमवार को नगर के एक निजी गार्डन में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पटेल ने सन 1979 से वर्ष 2026 तक निरंतर अपनी सेवा पेटलावद में दी। अपने सेवाकाल के दौरान किए गए विभिन्न कार्यों को लेकर अपने विचार सांझा किए। विदाई समारोह विपणन सहकारी संस्था के प्रबंधक ठा. गजराजसिंह देवड़ा द्वारा आयोजित किया गया। विदाई समारोह की अध्यक्षता सहकारीता उपायुक्त डीसी भिड़े झाबुआ ने की। आयोजनकर्ता के द्वारा सेवानिवृत्त हुए श्री पटेल का पुष्पहार पहनाकर, साफा बांधकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसी भिड़े एवं रविन्द्र सोलंकी ने पटेल के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला ओर बेदाग किए गए उनके कार्यों की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था झकनावदा के प्रबंधक हरिराम चौधरी द्वारा किया गया। आभार संस्था के प्रबंधक श्री देवड़ा ने माना।

श्रद्धांजलिः समाजसेवा व धार्मिकता से ओतप्रोत रहा दादा का जीवन

माही की गूंज, थांदला। अनादि से व्यक्ति के जन्म के साथ ही मृत्यु का सम्बंध रहा है। जन्म से मृत्यु तक की जीवन यात्रा में व्यक्ति के वाणी व व्यवहार से जन सामान्य में उसकी लोकप्रियता अच्छाई व बुराई के रूप में प्रदर्शित होती है। श्री सरस्वतीनन्दन स्वामी भजनाश्रम ÷वैकुंठ धाम÷ गुरुद्वारा के सक्रिय उपाध्यक्ष रमेन्द्र दादा सोनी के आकस्मिक निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने मिलकर उनके सरल हृदय से गुरु व गुरुभक्तों की निःस्वार्थ सेवा का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही उनके पुत्र अतुल सहित परिजनों को अभिनन्दन पत्र भेंट किया।

संपादकीय

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है।

निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है। यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है। लेकिन भारत जैसे परंपरावादी समाज में सदियों से विवाह एक अनुबंध होने के साथ-साथ एक गहरी सामाजिक मान्यता भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय समाज में आधुनिक रिश्तों की वास्तविकता कहीं अधिक परिवर्तनशील भी है। वयस्कों के रिश्तों में व्यक्ति आगे बढ़ता है, कभी-कभी बिना औपचारिक समापन के भी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि कानून भी मौजूदा परिदृश्य की इस वास्तविकता से अनभिज्ञ नहीं रह सकता। यह भी एक सत्य है कि वयस्कों के रिश्तों को संरक्षण या मान्यता से वंचित करना, ऐसे रिश्तों को समाप्त नहीं करता है। वास्तव में यह केवल उन्हें असुरक्षा और कानूनी अनिश्चितता की ओर धकेल देता है। सही मायनों में आवश्यकता न्यायिक असंगति की नहीं है, बल्कि विधायी स्पष्टता की ही है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। इन परिस्थितियों में, अंततः कानून को एक सरल सत्य को प्रतिबिंबित करना चाहिए कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना हमारी सामाजिक व्यवस्था के लिये खतरा नहीं है। बल्कि यह उसका एक आवश्यक अनुकूलन ही है। ऐसे समय पर जब तकनीक व सूचना क्रांति से पूरी दुनिया एक संस्कृति में ढल रही है, हम अलग-थलग नहीं रह सकते। हमें पीढ़ियों के अंतराल से उपजी सोच का भी सम्मान करना होगा।

विवादों से दूर रह रिश्ते सुधार सकते है बालेन

अच्छा हुआ, नेपाल की पूर्व विदेशमंत्री आरजू राणा भारत में नहीं हैं। वो होतीं, तो शेख़ हसीना जैसा शरण और प्रत्यर्पण वाला इश्यू खड़ा हो जाता। 19 अगस्त, 2024 को जब वो भारत आईं, विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने अपने पर्सनल अकाउंट से ट्वीट किया था, 'नेपाल की डॉ. आरजू राणा देउबा का विदेश मंत्री के तौर पर भारत की अपनी पहली यात्रा पर स्वागत है। हम अपनी बातचीत का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।' आरजू राणा की शख़्सियत ख़ास इसलिए भी है, क्योंकि वो नेपाल में पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके शेरबहादुर देउबा की श्रीमती जी हैं। पिछले महीने, जब नेपाल पुलिस की अनुसंधान शाखा, (सीआईबी) और मनी लॉन्ड्रिंग पर नज़र रखने वाले महकमे सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग (डीएमएलएआई) के अधिकारी उन्हें तलाश रहे थे, तब आरजू राणा भारत में थीं।

ये जो कुछ हो रहा है, उसके पटकथा लेखक, पूर्व उपप्रधानमंत्री व पत्रकार रबि लामिछाने हो सकते हैं। मान्यवर, करोड़ों रुपये के गबन और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर मामले में जेल में थे। जेन-ज़ी आंदोलन के समय जिन्हें छुड़ाने के क्रम में फायरिंग हुई, और दस क़ैदी मारे गए थे। इस तरह की चर्चा, कि आरएसपी सरकार का मुखिया गबन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सज़ायाफ्ता रहा है, बालेन्द्र सरकार को असहज कर रही थी। अब यह कह सकते हैं, कि देखो, जो बरसों से सत्ता में रहे हैं, वो भी कोई परमहंस नहीं हैं।

बहरहाल, आरजू राणा देउबा को दिल्ली से सिंगापुर, जैसे-तैसे रवाना किया गया। लेकिन, सोमवार को पता चला, कि अब आरजू राणा देउबा हांगकांग में घुटनों के इलाज के लिए गई हैं। यों, नेपाल और हांगकांग के बीच कोई औपचारिक प्रत्यर्पण समझौता नहीं है। चुनांचे, आरजू राणा देउबा ने सुरक्षित ठिकाना ढूंढ़ लिया है। ख़ैर, जो होता है, अच्छे के लिए होता है। भारत पहले से शेख़ हसीना के प्रत्यर्पण वाले कूटनीतिक विवाद में उलझा हुआ था, उसके लिए एक नया बखेड़ा नेपाल से शुरू हो जाता।

इस समय नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली और नेपाली कांग्रेस के नेता व पूर्व मंत्री दीपक खड़का की गिरफ्तारी से माहौल गरमाया हुआ है। अदालत में इसे चुनौती दी गई है, जिसपर सुनवाई सरकार द्वारा जवाब मिलने के बाद होगी। धनशोधन का आरोप पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड पर भी है। मनी लॉन्ड्रिंग के लांछन से मिस्टर एंड मिसेज देउबा, उनके बेटे जयवीर सिंह देउबा, उनके साले भूषण राणा मुक्त नहीं हैं। ये लोग देश से बाहर हैं। लगता है, देउबा कुनबा चैन की सांस नहीं ले पायेगा। राणा काल से ही भारत, नेपाली नेताओं को राजनीतिक शरण देने के वास्ते सबसे सुरक्षित मुकाम माना जाता है।

देउबा विवाद से दिल्ली बच तो गई, लेकिन, यह न मान लें कि मतभेदों से मुक्ति मिल गई। जून, 2026 से 17 हज़ार 500 फीट ऊंचाई वाले दुर्गम लिपुलेख दर्रे के बरास्ते भारत-चीन के बीच व्यापार की शुरुआत होनी है। केपी शर्मा ओली इसका विरोध दर्ज़ कराने पिछले साल पेइचिंग पहुंच गए थे। चीन ने पल्ला झाड़ा, तो कम्युनिस्ट नेता निराश होकर चुप्पी लगा गए। अब नेपाल का नया निज़ाम इसे कैसे हैंडल करता है, यह देखना बाक़ी है। लिपुलेख दर्रे पर नेपाली दावेदारी के वास्ते एक फ़र्जी 'चुच्चे नक्शा' संसद में पास करा लिया गया था। नेपाली में 'चुच्चे' का मतलब 'नुकीला' होता है। लिपुलेख दर्रे की भू-सामरिक स्थिति नुकीली है। उपलब्ध दस्तावेज़ बताते हैं, भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से होकर गुज़रने वाला यह सबसे प्राचीन व्यापार मार्ग है, जो भारत के उत्तराखंड को तिब्बत के तकलाकोट (पुरंग) से जोड़ता है। सदियों से भोटिया व्यापारी, विशेष रूप से लोग, ऊन, मसाले और कृषि उत्पादों के आदान-प्रदान के लिए इस मार्ग का उपयोग करते आ रहे हैं। उस दौर में भारतीय मसालों, वस्त्रों और गुड़ के बदले तिब्बती ऊन, रेशम और बोरेक्स का आदान-प्रदान 'बार्टर सिस्टम' के ज़रिये किया जाता था। इसे 'कैलास मानसरोवर यात्रा पथ' के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में इस मार्ग के बंद होने के बाद, 1992 में इसे व्यापार के लिए फिर से खोला गया, और यह युद्धोपरांत व्यापार के लिए पहली आधिकारिक चौकी बन गया। कठोर मौसमी परिस्थितियों के कारण, यहां आवागमन आमतौर पर जून और सितंबर के बीच ही संचालित होता है। यह चीन के साथ तीन व्यापारिक चौकियों में से पहली थी, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश का शिपकी ला दर्रा (1994) और सिक्किम के नाथू ला (2006) का नंबर आया।

नेपाल ने लिपुलेख-लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्र से संबंधित सवाल सबसे पहले 1991 में भारत के साथ उठाया था। यह मुद्दा उस समय सामने आया जब 1990 में नेपाल में राजशाही से लोकतांत्रिक सरकार में बदलाव हुआ, और नई सरकार ने सुगौली संधि के तहत सीमा निर्धारण पर आपत्तियां जताई थीं। उस समय नेपाली कांग्रेस के नेता गिरिजा प्रसाद कोइराला देश के प्रधानमंत्री थे। इसलिए कोई यह नहीं कह सकता, कि यह केवल नेपाली कम्युनिस्टों या प्रतिक्रियावादियों का मुद्दा था। यह मामला 2020 तक धीरे-धीरे सुलगता रहा। मगर, सवाल है, जिस मार्ग से 1962 से पहले भी भारत-चीन व्यापार करते रहे, वह नेपाल का कैसे हो गया?

पुष्परंजन

वर्ष 1816 की सुगौली संधि में लिपुलेख व लिम्पियाधुरा को स्पष्टतया नेपाल का हिस्सा, या भारत का भाग मानने पर विवाद है। नदी के उद्गम स्थल पर दोनों देशों के अलग-अलग दावे हैं, जिस कारण यह क्षेत्र विवादित है। नेपाल का मानना है, कि कुटी घाटी से निकलने वाली नदी (कुटी यांगती) जो मुख्य महाकाली नदी है, के पूर्व का हिस्सा (लिम्पियाधुरा, लिपुलेख व कालापानी) नेपाल का है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि महाकाली का उद्गम कालापानी के पास से होता है इसलिए लिम्पियाधुरा व लिपुलेख उसके क्षेत्र में हैं। कुटी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में ब्यास घाटी में अंतिम भारतीय गांव है। लेकिन चीन यदि भारत से लिपुलेख के ज़रिये व्यापार समझौता करता है, तो इसका मतलब वो आधिकारिक रूप से इसे भारत का हिस्सा मान चुका है। ओली जब थ्येनआनमन समारोह में पेइचिंग गए, और इसकी तनक़ीद की, तो चीन ने उसे गम्भीरता से नहीं लिया। सबसे गड़बड़झाला चुच्चे नक्शा है, जिसका ऐतिहासिक आधार नहीं है। नेपाल की संसद के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) ने कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को शामिल करने वाले विवादित 'चुच्चे नक्शे' (संशोधन विधेयक) को 13 जून, 2020 को सर्वसम्मति से पारित किया था। तत्कालीन नेपाली सांसद सरिता गिरी ने जब चुच्चे नक्शे का स्रोत संसद में मांगा, उनकी सदस्यता किसी और बहाने बर्खास्त कर दी गई। भारत यदि अंतर्राष्ट्रीय अदालत में 'चुच्चे नक्शे' को चुनौती दे दे, तो नेपाल को क्या भाव बैठेगा?

मानवता चुका रही संघर्षों -युद्धों की कीमत

समृद्ध देशों में स्थापित हथियार निर्माण उद्योग एक अत्यंत लाभकारी क्षेत्र बन चुका है। इन उद्योगों के कारण वैश्विक स्तर पर हथियारों की मांग बनी रहती है, और कई बार यह धारणा बनती है कि युद्ध और तनाव की स्थितियां इन उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा देती हैं। परिणामस्वरूप, हथियारों के निर्यात से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व को भी लाभ होता है।

आज दुनिया में यह धारणा प्रबल होती है कि हथियार उद्योग के आर्थिक हित विश्व के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बने रहने से जुड़े रहते हैं। एक ओर शक्तिशाली देश शांति और संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कई बार उनके कदम ऐसे दिखाई देते हैं जो संघर्षों को लंबा खींच देते हैं। विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध छोटे देशों में होने वाले युद्ध अक्सर लंबी अवधि तक चलते हैं, जिनका सबसे अधिक बोझ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध शुरू किया गया युद्ध इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो खनिज संसाधनों और सामरिक हितों से जुड़ी जटिलताओं के कारण चार साल से जारी है।

वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में उसका अहम? सर्वोपरि है। ईरान के तेल के कुओं पर अधिकार करने की उसकी मंशा वही है जो वेनेजुएला की तेल धन पर कब्जा करने की थी। लेकिन इनका अधिनायकवाद चाहे बाहरी तौर पर इस्राइल के लोगों की रक्षा करने के रूप में उभरता है, लेकिन असल खलिश यही है कि ईरान ने अपने ही तरीके से जीने की हिम्मत क्यों की? यहां भी आठ-दस दिनों में युद्ध निपटा देने की कल्पना की गई थी। पहले ही दिन ईरान की सर्वोच्च सत्ता को साफ कर देने के बाद भी इस युद्ध का अंत अब तक नजर नहीं आता। अमेरिका को यह युद्ध नाको चने चबा गया है। वह खुद कह रहा है कि यह युद्ध लम्बा हो जाएगा, जिसका असंतोष अमेरिका के आम लोगों में भी अब नजर आने लगा है।

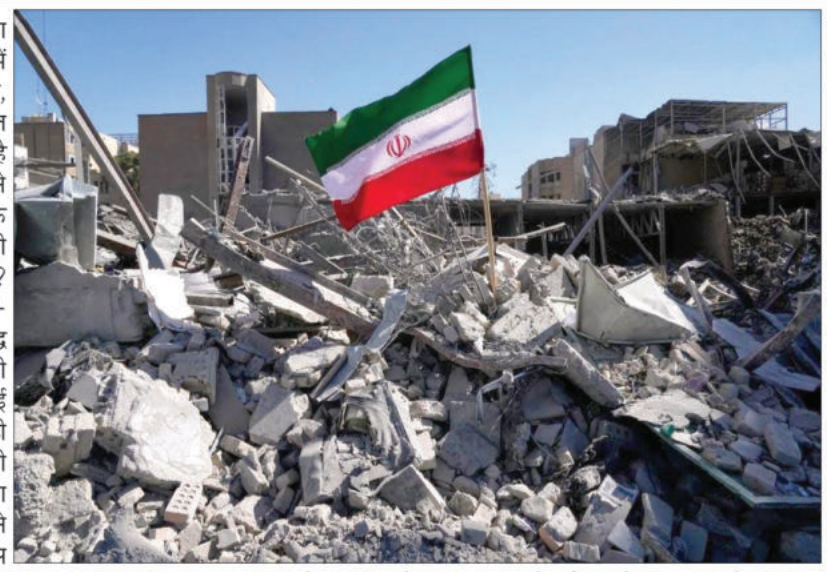

वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सोंकृजैसे गाजा पट्टी, ईरान और अफगानिस्तानकृमें चल रहे संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्धों का दायरा लगातार फैल रहा है। पारंपरिक रूप से युद्ध के कुछ मानवीय नियम माने जाते रहे हैं, जिनके अनुसार संघर्ष केवल सेनाओं तक सीमित होना चाहिए और आम नागरिकों, अस्पतालों तथा विद्यालयों को इससे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह देखा जा रहा है कि इन सिद्धांतों की अक्सर अनदेखी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक, मरीज और बच्चे भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बन रहे हैं।

आधुनिक मारक हथियारों से लैस युद्धरत देश मानवीय मूल्यों की परवाह किए बगैर हिंसा के साथ मौत बरसा रहे हैं। इस्राइल और अमेरिका की साझी सेनाओं ने गाजा पट्टी को नष्ट कर दिया। हाल के संघर्षों में नागरिक क्षेत्रों पर हमलों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। ईरान से जुड़े घटनाक्रमों में स्कूलों और आम नागरिकों पर हमलों के आरोप लगे, जिनमें अनेक मासूमों की मृत्यु की खबरें सामने आईं, हालांकि संबंधित पक्षों ने इन दावों से इनकार किया और केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इसी प्रकार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में भी नागरिक हानि की खबरें आई हैं, जिनमें अस्पतालों पर हमले और बड़ी संख्या में हताहत होने के दावे शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर, आधिकारिक स्तर पर इन दावों का खंडन किया गया है और सैन्य लक्ष्यों पर कार्रवाई की बात दोहराई गई है। इन घटनाओं ने एक बार फिर युद्ध के मानवीय नियमों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भारत ने अफगानिस्तान के काबुल स्थित अस्पताल पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों के विरुद्ध अमानवीय कृत्य और संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस प्रकार के हमलों पर चिंता जताई गई है।

सुरेश सेठ

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है। इसी बीच चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय हैं। कुल मिलाकर, यह स्थिति दर्शाती है कि युद्ध केवल रणनीतिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों और शांति के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सक्रिय भूमिका निभाए, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दे, तथा युद्धोन्माद को रोकने के लिए ठोस प्रयास करे, ताकि मानवता और वैश्विक शांति की रक्षा की जा सके।

फोर्टिफाइड चावल से जुड़े स्वास्थ्य के जोखिम

सरकार को अपने उस आदेश को वापस लेना पड़ा, जिसके तहत विभिन्न सार्वजनिक वितरण तंत्र के माध्यम से 'फोर्टिफाइड' चावल के वितरण को अनिवार्य किया गया था। दरअसल, इस बात के कोई प्रमाण नहीं थे कि इस तरह तैयार चावल रक्त-अल्पता यानी एनीमिया से लड़ने में कारगर है। वहीं आईआईटी खड़गपुर की एक रिपोर्ट में इनके भंडारण को मानव स्वास्थ्य के लिए घातक बताया गया था।

भारत में केंद्रीय पूल में चावल का कुल भंडार लगभग 679.32 लाख टन तक पहुंच गया है, जो निर्धारित बफर मानदंड, लगभग 76.1 लाख टन से 9 गुना अधिक है। इसके बावजूद सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 'फोर्टिफाइड' यानी संवर्धित चावल के वितरण को अनिवार्य कर दिया जाना कई सवाल खड़े कर रहा था। देश की सभी सार्वजनिक वितरण दुकानों और आंगनवाड़ी आदि में कोई 350 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के वितरण की व्यवस्था की गई थी। कहा तो यह गया कि चावल के दानों में कृत्रिम रूप से लौह तत्व और विटामिन मिलाकर देश की एक बड़ी आबादी को 'छिपी हुई भूख' से मुक्त किया जा सकता है। किंतु, इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिम और निर्माण प्रक्रिया की अनिश्चितता अब गंभीर विमर्श का विषय बन गई है। पायलट प्रोजेक्ट की आड़ में सारे देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में यह चावल डालने से बड़ी आबादी पर संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं।

सबसे पहले टूटे हुए चावलों को पीसकर आटा बनाया जाता है। इस आटे में आयरन (लोहा), फोलिक एसिड और विटामिन बी12 का एक निर्धारित मिश्रण मिलाया जाता है। इसमें जिंक, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3 और बी6 भी मिलाए जाते हैं। मिश्रण में पानी मिलाकर इसे एक 'एक्सट्रूडर' मशीन में डालते हैं, जो इसे ठीक चावल के दाने जैसा आकार देती है। इन्हें फोर्टिफाइड राइस कर्नेल कहा जाता है। इन कृत्रिम दानों को सामान्य चावल के साथ 1:100 के अनुपात में मिलाया जाता है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे चावल सभी के लिए एक समान लाभकारी नहीं हैं। खासकर थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक रोगों से पीड़ितों के लिए। ऐसे मरीजों के शरीर में पहले ही आयरन अधिक होता है और आयरन युक्त चावल खाने से उनके अंग खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, इन रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर में आयरन का संचय प्राकृतिक रूप से अधिक होता है। उन्हें बार-बार रक्त चढ़ाना पड़ता है, जिससे उनके शरीर के अंगों पर पहले से ही अतिरिक्त लोहे का दबाव रहता है। यदि ऐसे मरीजों को नियमित लौह-संवर्धित चावल खिलाया जाता है, तो उनके शरीर में 'आयरन ओवरलोड' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

यह अतिरिक्त लोहा उनके लीवर, हृदय और गुर्दों को धीरे-धीरे नष्ट कर सकता है।

विडंबना यह कि जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का प्रकोप सबसे अधिक है, वहीं सरकारी राशन भोजन का एकमात्र साधन है। पैकेटों पर लिखी बारीक चेतावनी ग्रामीण व निरक्षर आबादी तक पहुंचने में विफल रही, जिससे अनजाने में एक बड़ा वर्ग स्वास्थ्य संकट की ओर धकेला जा रहा है। शोध बताते हैं कि जब हम सिंथेटिक आयरन यानी कृत्रिम लोहे का अधिक सेवन करते हैं, तो वह पूरे अवशोषित नहीं हो पाता। बचा हुआ लोहा आंतों में ई-कोलाई, आदि हानिकर बैक्टीरिया की वृद्धि में सहायक होता है, जिससे लाभकारी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इससे दीर्घकाल में पाचन के गंभीर विकार पैदा हो सकते हैं। शरीर में लोहे की अधिकता 'फ्री रेडिकल्स' पैदा करती है, जिससे कोशिकाओं में 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' बढ़ता है। यह स्थिति समयपूर्व बुढ़ापे, मधुमेह और हृदय रोगों के खतरे बढ़ा सकती है।

संवर्धित चावल के निर्माण की तकनीक, जिसे 'एक्सट्रूज़न' कहा जाता है, सैद्धांतिक रूप से तो सटीक लगती है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में भारी खामियां हैं। अनेक चावल मिलों में पोषक तत्वों के मिश्रण (प्रीमिक्स) की मात्रा का सही संतुलन नहीं रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और रसायनों की शुद्धता पर भी कोई कड़ा नियंत्रण नहीं है। यही कारण है कि पकाते समय इस चावल का स्वाद और गंध बदल जाती है, जिससे आम जनता के मन में इसके 'प्लास्टिक चावल' होने का भ्रम पैदा होता है। भंडारण के दौरान नमी और तापमान के कारण इन कृत्रिम दानों में ऑक्सीकरण (ऑक्सीडेशन) की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जो चावल को विषाक्त बना सकती है।

पंकज चतुर्वेदी

सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'एक ही दवा सबको' की नीति अक्सर प्रतिकूल परिणाम देती है। एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें स्वच्छता की कमी, पेट के कीड़े या अन्य संक्रमण शामिल हैं। केवल चावल में लोहा मिलाकर पूरी आबादी को खिलाना अदूरदर्शी कदम प्रतीत होता है। जब सरकार केवल चावल के फोर्टिफिकेशन पर अरबों रुपये खर्च करती है, तो पूरा ध्यान 'धान' की खेती और वितरण पर केंद्रित हो जाता है। इससे बाजरा, रागी, कोदो और ज्वार जैसे 'श्री अन्न' (मोटे अनाज), जो प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर हैं, हाशिए पर चले जाते हैं। कुपोषण मिटाने का संकल्प प्रशंसनीय है, लेकिन यह जन स्वास्थ्य की कीमत पर होना सही नहीं।

सरकार को चाहिए कि वह उन क्षेत्रों में गैर-संवर्धित सामान्य चावल का विकल्प भी खुला रखे, जहां आनुवंशिक बीमारियों का प्रसार अधिक है। फोर्टिफाइड चावल को कुपोषण का अंतिम सत्य मान लेना एक बड़ी भूल होगी। यह एक 'आपातकालीन हस्तक्षेप' तो हो सकता है, लेकिन कभी भी 'संपूर्ण पोषण' का विकल्प नहीं बन सकता। हमें तकनीक से अधिक अपनी मिट्टी की विविधता और जैव-विविधता पर भरोसा करना होगा।

पोल्ट्री फॉर्म की आड़ में चल रही थी ड्रग फैक्ट्री

माही की गूंज, रतलाम।

मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार एमपी पुलिस अभियान चला रही है। इसी कड़ी में रतलाम जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ड्रग निर्माण नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। साथ ही 80 लाख रुपए के माल भी बरामद किए हैं। यह रतलाम पुलिस की बड़ी सफलता है।

अवैध ड्रग फैक्ट्री का किया खुलासा

दरअसल, रतलाम एसपी के निर्देश रिंगनोद और पिपलोदा थाने की पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने 31 मार्च ग्राम बोरखेड़ा में दबिश दी है। इस दौरान एमडी सिंथेटिक ड्रग निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह एक पोल्ट्री फॉर्म की आड़ में संचालित किया जा रहा था। यहां से पुलिस की टीम ने 175 किलो केमिकल, 200 ग्राम एमडीएमए ड्रग, गैस सिलेंडर, हीट गन, स्टोव और अन्य सामान को बरामद किया है। साथ ही 24 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

सरगना जमशेद खान गिरफ्तार

वहीं, इस कार्रवाई में मुख्य सरगना जमशेद खान उर्फ जमशेद लाला उर्फ जमशेद सेठ को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जमशेद लाला एक अंतर्राज्यीय ड्रग नेटवर्क का प्रमुख संचालक है, जिसके विरुद्ध विभिन्न राज्यों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पूछताछ में यह भी ज्ञात हुआ है कि ड्रग निर्माण हेतु रसायनों की आपूर्ति राजस्थान के प्रतापगढ़ क्षेत्र से की जा रही थी। घटना से पूर्व बड़ी मात्रा में एमडी की सप्लाई भी की जा चुकी थी।

500 ग्राम एमडी ड्रग किया था जब्त

इसी प्रकार 29 मार्च को पुलिस चौकी माननखेड़ा थाना रिंगनोद द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर फोरलेन रोड पर घेराबंदी कर बोलेरो पिकअप वाहन से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया था। इसकी कीमत 50 लाख रुपए थी। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। साथ में एक बलोरो गाड़ी भी जब्त की गई थी।

इसी दिन एक अन्य कार्रवाई में थाना रिंगनोद पुलिस द्वारा 100 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से कुल 1 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई।

पहले भी हो चुका है भंडाफोड़

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी रतलाम जिले में एमडीएमए निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया जा चुका है, जिससे यह साफ होता है कि क्षेत्र में संगठित ड्रग नेटवर्क सक्रिय रहा है, जिस पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा पार्षद के परिवार पर हमला

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के शुजालपुर में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। एक पक्ष भाजपा पार्षद का है और दूसरा उसके ताऊ के परिवार का है। बताया जा रहा है कि पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रहे विवाद में ताऊ के परिवार ने बीजेपी पार्षद के परिवार पर सरेराह हथियारों से लैस होकर हमला बोल दिया और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। करीब 15 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलते रहे जिसका वीडियो भी सामने आया है। घटना में बीजेपी पार्षद के भाई समेत 5 लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रहा विवाद

घटना अकोदिया-शुजालपुर मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र के सामने की है। बीजेपी पार्षद सईद पटेल का परिवार शुजालपुर सिटी के टीला क्षेत्र में रहता है, जबकि ताऊ का परिवार अकोदिया नाका स्थित वन विभाग कार्यालय के पास रहता है। दोनों पक्षों के बीच पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद पिछले 15 साल से चल रहा है। शनिवार को इसी जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई। मारपीट में बीजेपी पार्षद के बड़े भाई हाफिज पठान के सिर में गंभीर चोट आई है जिसके कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है जबकि चार अन्य लोग भी घायल है जिनमें एक को रेफर किया गया है।

मारपीट का वीडियो वायरल, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

बीच सड़क पर हुई दो पक्षों के बीच हिंसक मारपीट का मौके पर मौजूद किसी शख्स ने मोबाइल से वीडियो भी बनाया है जिसमें दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। बीजेपी पार्षद के पक्ष से जो शिकायत दर्ज कराई गई है उसमें लल्लू खां, समीर खां, हसीन खां, वसीम खां, आसू खां और रसूल खां के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत पर बीजेपी पार्षद सईद पटेल, हफीज, शादाब, साहिल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

पड़ोसी ने 5 वर्ष की बच्ची से की रेप की कोशिश

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के जावरा में एक बेहद शर्मनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 5 वर्ष की मासूम बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले 45 वर्षीय शख्स ने रेप करने की कोशिश की। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है.

बताया जा रहा है कि बच्ची रोते-बिलखते घर पहुंची और अपनी मां को पूरी घटना बताई। मां ने बच्ची को संभाला और जब पूरी बात समझी तो तुरंत पड़ोसियों और परिवार के लोगों के साथ थाने पहुंची। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने तुरंत लिया एक्शन

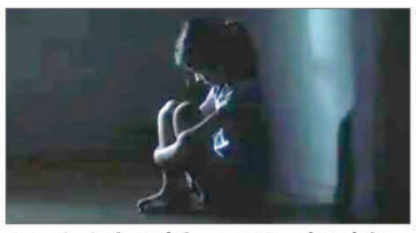

जावरा के औद्योगिक थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई की। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कड़ी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शहर में निकाला आरोपी का जुलूस

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी का शहर में पैदल जुलूस भी निकाला। इस दौरान आरोपी मुंह पर काला कपड़ा बांधे पुलिस के बीच चलता नजर आया। उसके साथ थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

इस घटना के बाद स्थानीय मुस्लिम समाज में भी भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग जावरा सीएसपी कार्यालय पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। समाज के लोगों ने आरोपी का सामाजिक बहिष्कार भी कर दिया है।

बुलडोजर कार्रवाई की भी मांग

मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों और लोगों ने भी प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी के मकान को तोड़ने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाए जाने चाहिए ताकि समाज में कड़ा संदेश जाए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपी के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीबीआई ने रिश्वत के मामले में असिस्टेंट कमिश्नर को किया अरेस्ट

माही की गूंज, रतलाम।

कैन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रतलाम के सीजीएसटी सहायक आयुक्त शंकर परमार और एक निजी व्यक्ति सुरेश मनसुखानी को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया है। इन पर एक फर्म की जीएसटी कार्यवाही रोकने के लिए 1.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने का आरोप है। सीबीआई ने 31 मार्च, 2026 को इनके खिलाफ आरसी0082026ऐ0004 नंबर का मामला दर्ज किया।

यह कार्रवाई 30 जनवरी, 2026 को सीबीआई, एसीबी, भोपाल को मिली एक शिकायत के बाद की गई। शिकायत में सीजीएसटी अधिकारियों पर फर्म के विरुद्ध जीएसटी कार्यवाही न करने के बदले अवैध पैसों की मांग का आरोप था। सत्यापन में खुलासा हुआ कि शंकर परमार ने बिचौलिए के जरिए 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

सीबीआई ने जाल बिछाकर शंकर परमार को रतलाम के सीजीएसटी कार्यालय से तब रंगे हाथों पकड़ा, जब वे बिचौलिए सुरेश मनसुखानी के माध्यम से 1.5 लाख रुपये की रिश्वत स्वीकार कर रहे थे। उन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 (संशोधित 2018) और बीएनएस की धारा 61(2) के तहत आरोप हैं। आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी जारी है, साथ ही अन्य लोगों की भूमिका की जांच भी चल रही है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई की यह कार्रवाई सार्वजनिक सेवकों में व्याप्त कुप्रबंधन और रिश्वतखोरी को खत्म करने की उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता दर्शाती है।

एक ही व्यक्ति की फोटो लगाकर 84 सिम कार्ड बेचने वाला गिरफ्तार

देवास।

मध्य प्रदेश के देवास जिले में पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए दूरसंचार कंपनियों के एक एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक ही फोटो का इस्तेमाल कर अलग-अलग लोगों के नाम पर 84 सिम कार्ड जारी करने का आरोप है। कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अबरार उर्फ अरबाज उर्फ अब्दुल के रूप में हुई है। वह दूरसंचार कंपनियों के लिए एजेंट के तौर पर काम करता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक ही फोटो का उपयोग कर कई लोगों के नाम पर सिम कार्ड जारी किए और इस तरीके से अवैध लाभ कमाया। इस मामले में उसके साथ कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे गिरोह की जांच जारी है।

16 ग्राहकों के आवेदन फॉर्म मिले

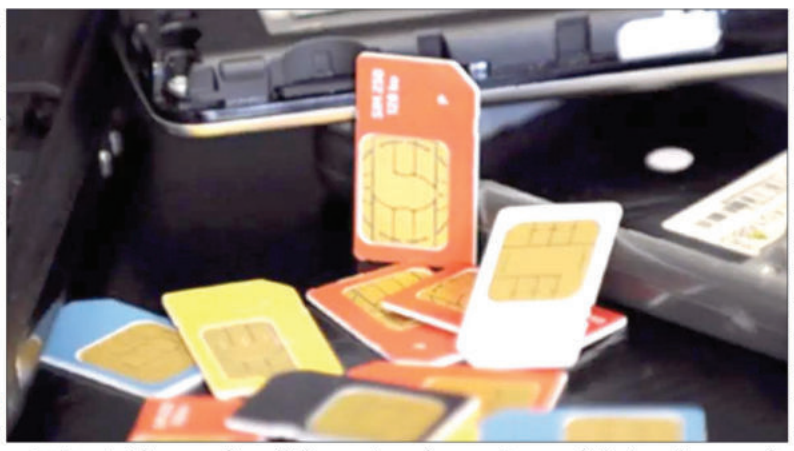

भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित 'ऑपरेशन एफ.ए.सी.ई.' के तहत देवास पुलिस ने एक बड़े फर्जी सिम कार्ड मामले का पर्दाफाश किया है। अबरार देवास जिले के सोनकच्छ थाना क्षेत्र के गंधर्वपुरी का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, उसने खुद और कुछ पॉइंट ऑफ सेल एजेंटों की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा किया। हैरानी की बात यह है कि इन 84 सिम कार्डों में से सिर्फ 16 ही ग्राहक आवेदन फॉर्म उपलब्ध हो पाए हैं। पुलिस की पड़ताल में यह भी सामने आया कि आरोपी ने 8 सिम कार्ड खुद सत्यापित कर जारी किए, जबकि 8 अन्य सिम कार्ड एजेंटों के जरिए जारी कराए गए, जिनमें भी उसकी ही तस्वीर का इस्तेमाल हुआ। इस मामले में कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और दूरसंचार से जुड़े कानूनों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि इन फर्जी सिम कार्डों का इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया जा रहा है। देवास पुलिस ने सिम विक्रेताओं से अपील की है कि वे ऐसे गैरकानूनी कार्यों से दूर रहें। साथ ही चेतावनी भी दी गई है कि यदि कोई इस तरह की गतिविधियों में शामिल पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों पर ईरान युद्ध का असर

भोपाल।

मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी की तारीख एक बार फिर आगे बढ़ा दी गई है। पहले 16 मार्च से शुरू होने वाली खरीदी को 1 अप्रैल किया गया था और अब इसे 10 अप्रैल तक टाल दिया गया है। इस देरी की सबसे बड़ी वजह बारदाने यानी पीपी और एचडीपीपी बैग की भारी कमी है, जो पेट्रोलियम उत्पादों से बनते हैं।

दरअसल, ईरान युद्ध के चलते पेट्रोलियम सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे इन बैग्स का उत्पादन और आपूर्ति दोनों बाधित हो गए हैं। यही बैग गेहूं के भंडारण के लिए जरूरी होते हैं, इसलिए खरीदी प्रक्रिया अटक गई है।

सीहोर जिले के किसान, जो अपने शरबती गेहूं के लिए जाने जाते हैं, इस स्थिति से सबसे ज्यादा परेशान हैं। रफीकगंज के किसान अवध नारायण बताते हैं कि, उन्होंने 20 एकड़ में गेहूं उगाया है और पिछले साल इस समय तक खरीदी और भुगतान दोनों हो चुके थे लेकिन इस बार फसल कटकर पड़ी है और भंडारण की समस्या बढ़ती जा रही है। वहीं किसान नरेश परमार का कहना है कि फसल कटे एक महीना हो चुका है और अब खरीदी में देरी से उन्हें रोज फसल की निगरानी करनी पड़ रही है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल गेहूं खरीदी के लिए करीब 15.60 करोड़ बारदानों की जरूरत है, जबकि अभी सिर्फ 5.50 करोड़ ही उपलब्ध हैं यानी करीब 10 करोड़ से ज्यादा की कमी है। वेयरहाउस संचालकों का कहना है कि जूट और पीपी दोनों तरह के बैग इस बार समय पर नहीं मिल पाए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई है।

हालांकि सरकार ने बारदाने की खरीद के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं और जल्द सप्लाई सामान्य होने का दावा किया जा रहा है लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है। कांग्रेस नेता कुणाल चौधरी ने सवाल उठाया कि जब हर साल मार्च में खरीदी होती है, तो तैयारी पहले क्यों नहीं की गई।

इस देरी का सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है, जिन्होंने कर्ज लेकर खेती की है और अब फसल बेचने में हो रही देरी से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

मंत्री जी की भरे मंच पर फजीहत...!

श्योपुर।

मध्यप्रदेश के श्योपुर में एक मेले के समापन कार्यक्रम के दौरान दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने मेले की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर महिला थाना प्रभारी को खरी-खोटी सुनाई तो पलटवार में उन्हें करारा जवाब मिला। मंत्री और लेडी टीआई के बीच हुई तकरार का मामला राजनैतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल श्योपुर जिले के कराहल क्षेत्र के पनवाड़ा गांव में स्थित प्राचीन अन्नपूर्णा माता मंदिर पर प्रतिवर्ष लगने वाले मेले का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री और भाजपा के पूर्व विधायक सीताराम आदिवासी ने मंच पर मौजूद कराहल थाने की महिला टीआई यास्मीन खान को खरी-खोटी सुनाई। फिर टीआई ने भी माइक अपने हाथ में लेते हुए नेता जी को हाथों-हाथ जवाब दे दिया।

राज्य मंत्री सीताराम आदिवासी पनवाड़ा माता मेले में अव्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी जता रहे थे। मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा कि मेले में सुरक्षा और व्यवस्थाओं की कमी रही। कई श्रद्धालुओं को असुविधा हुई।

फालतू नाटक नहीं करें

उन्होंने टीआई की ओर इशारा करते हुए कहा, ''फालतू नाटक नहीं करें। ऐसे टीआई कई चले गए। जातिवाद कर रहे हैं आप। जब से ये टीआई साहब आए हैं, तब से घटनाएं हो रही हैं। कई घटनाएं हो गई हैं।''

टीआई का 'ऑन-स्पॉट' पलटवार

इस पर टीआई यास्मीन खान ने भी मंच से ही कहा, ''मुझे लगता है कि यहां बैठे एक या दो लोगों को छोड़ दें तो हमसे किसी को कोई शिकायत नहीं रही होगी। अगर किसी को शिकायत है तो अपना हाथ ऊपर कर दें।''

यास्मीन खान ने आगे कहा, ''हमारे स्टाफ ने सुबह से शाम तक, धूप में, भूखे रहकर ड्यूटी की है। लेकिन अपने पर्सनल हित के लिए, पर्सनल दुश्मनी के लिए पूरे स्टाफ और पूरे पुलिस प्रशासन को दोषी कहना कहीं से भी उचित नहीं है।''

'मंत्री के कान न भरें'

महिला पुलिस अधिकारी ने कहा, ''अगर आप पर्सनल हित के लिए सीताराम आदिवासी के कान भरते हैं, तो ये चीज ठीक नहीं है।''

टीआई ने जो कहा, उसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया. अब लोग कह रहे हैं कि महिला पुलिस अधिकारी ने भरे मंच से नेता जी की फजीहत कर दी।

खास बात यह है कि अपनी ही पार्टी में सम्मान को तरस रहे राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त सीताराम आदिवासी को भी ऐसी उम्मीद नहीं रही होगी। वे कई बार अपनी ही पार्टी में उपेक्षा और अधिकारियों की अनदेखी की शिकायत कर चुके हैं।

कॉलोनी बसाने के लिए भीलटदेव का मंदिर तोड़ा

माही की गूंज, खंडवा।

एक ओर पहाड़ी पर देवी प्रतिमा मिलने के बाद वहां मंदिर निर्माण की चर्चा चल रही है, वहीं दूसरी ओर मूर्तियां हटाकर मंदिर तोड़ने का मामला सामने आया है। एक कारोबारी ने भूमि बेचने के बाद वहां स्थित भीलटदेव के मंदिर को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ दिया। मूर्तियों को गांव के शिव मंदिर में स्थापित करा दिया गया है। इस घटनाक्रम से क्षेत्र में विवाद की स्थिति बन गई है।

मामला शहर के नागचून मार्ग स्थित दादाजी नर्सिंग महाविद्यालय के पास बने भीलटदेव मंदिर का है। भूमि की बिक्री और आवासीय कॉलोनी बसाने में बाधा बनने पर मंदिर को हटाया गया। बुधवार सुबह करीब 7 बजे से तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया।

काफी संख्या में लोग विरोध करने पहुंचे, लेकिन प्रभावशाली भूमि मालिक कारोबारी द्वारा ग्रामीणों को धमकाने की बात भी सामने आई। इसके बाद नगर दंडाधिकारी बजरंग बहादुर और नगर पुलिस उप अधीक्षक अभिनव बारंगे भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, सत्तापक्ष से जुड़े कारोबारी श्याम हेमवानी ने अपनी स्वामित्व वाली भूमि को एक कॉलोनी विकसित करने वाले व्यक्ति को बेच दिया। भूमि विक्रय के समय मंदिर को हटाने की शर्त रखी गई थी और खरीदार द्वारा लगभग 50 लाख रुपये की राशि रोक ली गई थी। इसके बाद मंदिर को हटाने की योजना बनाकर कार्रवाई की गई।

मंदिर को तोड़ने से पहले मूर्तियों को नागचून गांव के शिव मंदिर में स्थापित करा दिया गया। वहां की सेवादार महिलाओं ने बताया कि इससे पहले भी कुछ समय पूर्व मूर्तियां यहां रखी गई थीं, जिन्हें बाद में वापस ले जाया गया था। इस बार मूर्तियों को रखने से पहले ही स्थान तैयार कर लिया गया था।

घटना के दौरान नगर दंडाधिकारी और पुलिस अधिकारी के पहुंचने तक स्थिति शांत हो चुकी थी और विरोध करने वाले लोग भी लौट चुके थे। नगर दंडाधिकारी ने बताया कि फिलहाल किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बस स्टैंड मार्ग पर बनेगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

माही की गूंज, बड़वाह।

शहर के बस स्टैंड मार्ग पर नगर पालिका द्वारा नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है। बुधवार को वार्ड क्रमांक 11 के माध्यमिक विद्यालय के मुख्य द्वार के पास इस परियोजना का भूमि पूजन किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता और पार्षद सुनील चौधरी ने इस नए परिसर की आधारशिला रखी। पुरानी दुकानों के ऊपर कुल 11 नई दुकानें बनाई जाएंगी, जिस पर लगभग 35 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। अध्यक्ष ने बताया कि दुकानों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है और अब शीघ्र ही उनकी नीलामी प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी।

भूमि पूजन के अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अभियंताओं और ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। इस दौरान वार्ड क्रमांक 9, 2, 6 और 7 के पार्षद एवं उनके प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका का तकनीकी दल भी मौके पर मौजूद रहा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुलदीप किंशुक और अभियंता नागेश्वर दत्त पांडे सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया और निर्माण से संबंधित बारीकियों पर चर्चा की। अब उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शहर के व्यापारियों को नई दुकानें उपलब्ध हो सकेंगी।

कलेक्टर ने सेमली-बोकराटा में किया श्रमदान

माही की गूंज, बड़वानी।

बड़वानी में 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर जयति सिंह ने बुधवार को पाटी विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर जल संरक्षण कार्यों में सहभागिता की और निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण किया।

कलेक्टर जयति सिंह पाटी विकासखंड के ग्राम सेमली पहुंचीं, जहां उन्होंने स्थानीय सरपंच, ग्राम पटेल और ग्रामीणों के साथ मिलकर 'बोरी बंधान' का कार्य किया। उन्होंने स्वयं श्रमदान कर ग्रामीणों का उत्साहवर्धन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय संसाधनों के माध्यम से छोटे-छोटे अवरोध बनाकर वर्षा जल का संचयन करना और भू-जल स्तर को बढ़ाना है।

इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम बोकराटा में भी चल रहे बोरी बंधान कार्यों का निरीक्षण किया तथा श्रमदान कर ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जनपद पाटी के ग्राम चारपटिया और सावरियापानी का भी भ्रमण किया।

यहां उन्होंने निर्माणाधीन नवीन तालाबों की प्रगति और कार्य की गुणवत्ता का सूक्ष्म निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि समस्त निर्माण कार्य मानसून से पूर्व निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में जल संचयन का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। तालाबों और बोरी बंधान के माध्यम से एकत्रित जल न केवल सिंचाई में सहायक होगा, बल्कि इससे क्षेत्र के कुओं और हैंडपंपों का जल स्तर भी बना रहेगा।

किराएदार दंपती गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

बेड़िया में एक सूने घर में हुई चोरी का खुलासा 36 घंटे के भीतर मंगलवार को कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में किराएदार पड़ोसी दंपती जैन पिता देवराम और उनकी पत्नी सोनु उर्फ माया को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 1.28 लाख रुपये के चोरी किए गए आभूषण बरामद किए गए हैं।

यह घटना 28 मार्च की है। फरियादी अपने परिवार सहित एक कार्यक्रम में गया हुआ था। शाम को लौटने पर उसने पाया कि घर से सवा लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 4 हजार रुपये नकद चोरी हो गए हैं, जिसकी शिकायत दर्ज कराई गई थी।

थाना प्रभारी रामेश्वर ठाकुर ने बताया कि निगरानी कैमरों के दृश्य की जांच के बाद संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। जिसमें पड़ोसियो ने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

पति पर हत्या की साजिश और दूसरी शादी का आरोप

माही की गूंज, खंडवा।

खंडवा के पदमकुंड वार्ड स्थित फकीर मोहल्ला निवासी एक महिला ने अपने पति फिरोज खान पर हत्या की साजिश रचने, दूसरी शादी करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस को आवेदन देकर स्वयं तथा अपने बच्चों की सुरक्षा की मांग की है।

महिला के अनुसार उसका विवाह फिरोज खान से हुआ था और उनके चार बच्चे हैं। पिछले कुछ समय से पति की आपराधिक गतिविधियों के कारण पारिवारिक विवाद बढ़ गया था। फिरोज खान ने अपने भाई इमरान और अनवर के साथ मिलकर फकीर मोहल्ला क्षेत्र के एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए उनके घर पर बैठक कर बाहरी लोगों को धन देकर वारदात को अंजाम दिलाया गया, जिसमें फिरोज खान और अनवर को आरोपी बनाया गया।

पीड़िता ने बताया कि जब उसने इस साजिश का विरोध किया तो विवाद और बढ़ गया, जिसके बाद वह अपने बच्चों को लेकर मायके गणेश तलाई में रहने लगी। इस दौरान उसे यह भी पता चला कि पति ने बिना तलाक दिए दूसरी शादी (निकाह) कर ली है।

महिला का आरोप है कि कुछ दिन पहले फिरोज खान अपने भाइयों के साथ उसके मायके पहुंचा, जहां गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उसने स्वयं को प्रभावशाली बताते हुए कहा कि ÷मैं पैसा वाला व्यक्ति हूं, मेरे राजनीतिक संबंध मजबूत हैं, कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता, मैं तुम्हारी हत्या करवा दूंगा।÷

घटना के दौरान मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। पीड़िता का कहना है कि आरोपी पति और उसके भाई आदतन अपराधी हैं और उनके विरुद्ध हत्या व हत्या के प्रयास जैसे गंभीर प्रकरण पहले से दर्ज हैं। वर्तमान में वे जमानत पर बाहर हैं, जिससे उसे लगातार खतरा बना हुआ है।

महिला ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए तथा उसे व उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का बड़ा कारण

महिलाओं को देवियां कहकर संबोधित करने व देवियों की पूजा करने वाले हमारे देश में आये दिन महिलाओं के यौन शोषण की नई से नई व घिनौनी से घिनौनी ख़बरें सामने आती रहती हैं। वैसे तो राजनीति,निजी व सरकारी सेवा क्षेत्र,शैक्षणिक संस्थान आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के यौन शोषण की ख़बरें सुनाई देती हैं परन्तु बड़े ही दुःख व शर्म की बात यह है कि महिलाओं का सबसे अधिक शोषण उनके अन्धविश्वास के चलते या उनकी धर्मान्धता के कारण होता है। देश के अनेक बड़े से बड़े स्वयंभू धर्मगुरु जो ईश्वरीय अवतार होने तक का दावा किया करते थे, महिलाओं के यौन शोषण यहाँ तक कि बलात्कार व हत्या जैसे मामलों में जेल की सज़ा काट चुके हैं और कई अब भी जेलों में हैं परन्तु आश्चर्य यह है कि उनके काले कारनामों से पर्दा हटने के बावजूद ऐसे दुराचारी स्वयंभू धर्मगुरुओं के अनुयायियों ख़ासकर महिला अनुयायियों में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बल्कि उनके प्रति अंधआस्था रखने वाले लोग यह कहते सुने जाते हैं कि उनके गुरु जी को जबरन फंसाया गया है। शायद यही वजह है कि हमारे देश में आये दिन इस तरह के नित नये मामले सामने आते रहते हैं।

पिछले दिनों ऐसा ही हैरान करने वाला एक मामला महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया। यहाँ कैप्टन अशोक खरात उर्फ़ अशोक कुमार उर्फ़ एकनाथ खरात नाम से प्रसिद्ध एक ज्योतिषी की हैरान कर देने वाली काली करतूत उजागर हुई। इस व्यक्ति का नासिक के कनाडा कॉर्नर क्षेत्र में ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स नाम से एक कार्यालय था जो ज्योतिष के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था । उसके क़रीब ही सिन्नर में उसका एक विशाल फ़ार्म हाउस था जिसमें उसने ईशान्येश्वर मंदिर बना रखा था। वह एक ट्रस्ट बनाकर इस व्यवस्था को स्वयं संचालित करता था। वह खुद ही ट्रस्ट का प्रमुख था। उसके पास और भी अनेक संपत्तियां थीं। खरात के नेताओं, अधिकारियों, सेलिब्रिटी और व्यापारियों से भी गहरे संबंध थे। इस 67 वर्षीय पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मचारी जो कि स्वयं को कैप्टन बताता था उसने ज्योतिष और आध्यात्मिक शक्तियों के नाम पर अनेक महिलाओं को अपने जाल में फंसाया हुआ था । वह स्वयं को रसूख़दार व शक्तिशाली ज्योतिषी व आध्यात्मिक गुरु बताता था। यहां तक कि भगवान शिव का अवतार होने का दावा भी किया करता था। यह व्यक्ति संपन्न ऊंचे रसूख़ वाली उच्च पदों पर आसीन महिलाओं व उच्च पदों पर विराजमान लोगों की पत्नियों को उनके व्यक्तिगत , पारिवारिक, वैवाहिक या फिर भविष्य व कैरियर संबंधी समस्याओं का समाधान बताने के बहाने से अपने कार्यालय या अपने फ़ार्म हाउस पर बुलाया करता था। इसके बाद वह उन महिलाओं की कुंडली देखता था। फिर किसी महिला को उसके पति की मौत का ख़तरा बताता तो किसी को कोई और परिवारिक संकट बता देता। किसी को उसका भविष्य ख़राब होने की भविष्यवाणी कर देता तो किसी को गंभीर बीमारी का भय बता देता। और इसी की आड़ में वह पूजा-पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठान करने की बातें किया करता था। यह स्वयंभू ज्योतिषी अपने कार्यालय या फ़ार्म हाउस के एक प्राइवेट केबिन में शुद्धिकरण या रीतियों के नाम पर अपना शिकार बनाने वाली महिलाओं को किसी पेय के माध्यम से ऐसा नशीला पदार्थ पिलाता जिससे वे बेहोश हो जातीं या फिर सम्मोहित हो जातीं। उसके बाद वह अपने कार्यालय में ही उन महिलाओं का यौन शोषण किया करता था। और वहां गुप्त रूप से लगे सी सी टी वी कैमरों से उनकी वीडियो रिकॉर्ड करता। बाद में इसी वीडियो के माध्यम से शिकार की गयी महिलाओं को डराता धमकाता। वह यह धमकी भी देता कि यदि उन्होंने किसी से इस घटना का ज़िक्र किया तो उनके पति की जान जा सकती है और उसका पूरा परिवार बर्बाद हो सकता है। वह उन महिलाओं को वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता। और इसी के बहाने वह न केवल इन महिलाओं का बार-बार शारीरिक शोषण करता बल्कि उनसे पैसे भी ऐंठता रहता था।

बहरहाल आख़िरकार उस स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु व स्वयंभू शिवावतार के पाप का घड़ा फूट ही गया। एक महिला ने पिछले दिनों उसकी पुलिस में शिकायत की कि तीन साल से भी अधिक समय तक उसने अपने इसी कुचक्र में उसे उलझाये रखा। जबकि अनेक महिलाएं या तो डर के मारे या अपनी बदनामी के भय से ख़ामोश रहीं। इसी महिला की शिकायत पर नासिक क्राइम ब्रांच ने पिछले दिनों उसके फ़ार्म हाउस पर छापा मारा। पुलिस को यहां से जो पेन ड्राइव मिले उसमें लगभग एक सौ के क़रीब महिलाओं की आपत्तिजनक वीडिओ प्राप्त हुई। इसके अलावा उसके ऑफ़िस और फ़ार्म हाउस से पिस्तौल, कारतूस व अनेक संदिग्ध दस्तावेज़ मिले व करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ। हद तो यह है कि इस व्यक्ति ने महिलाओं के हितों की रक्षा करने वाली महाराष्ट्र महिला आयोग की एक पूर्व अध्यक्ष को भी नहीं बख़्शा।इस के साथ भी उसकी आपत्ति जनक तस्वीरें व वीडिओ वायरल हुये। अब जबकि खरात पुलिस हिरासत में है और एस आई टी मामले की जांच कर रही है ऐसे में अब और भी कई महिलाएं शिकायत दर्ज कराने के लिये सामने आ रही हैं। परन्तु कई महिलायें अभी भी भय व बदनामी के चलते ख़ामोश हैं।

निर्मल रानी

ऐसे में एक बार फिर वही सवाल पैदा होता है कि देश में पाखण्डी व दुराचारी प्रवृति के अनेकानेक धर्मगुरुओं, ज्योतिषियों के तमाम काले कारनामों के उजागर होने के बावजूद भी आख़िर महिलायें क्योंकर ऐसे पाखंडियों के चंगुल में फँस जाती हैं? प्रायः अशिक्षित महिलाओं को तो ऐसे कुचक्रों में फंसता हुआ देखा ही जा चुका है परन्तु इस मामले ने तो सभी को इसलिये भी हैरान कर दिया है कि खरात ने शिक्षित व उच्च पदों पर रहने वाली या रसूख़दार परिवारों की महिलाओं को ही अपने जाल में फंसाया। इससे यह साफ़ ज़ाहिर है कि अंधआस्था व अंधविश्वास केवल ग़रीब व अशिक्षित महिलाओं में ही नहीं बल्कि शिक्षित महिलायें भी इसका शिकार हैं। इसलिये यह कहना ग़लत नहीं होगा कि महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का एक बड़ा कारण है।

वायरल नागदा अस्पताल विवाद, गेहलोत परिवार से जुड़े नाम

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले से 50 किलोमीटर दूर नागदा तहसील में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत के परिवार से जुड़े एक मामले ने मध्य प्रदेश के नागदा में सनसनी फैला दी है। नागदा के बिरलाग्राम थाना क्षेत्र में सिविल अस्पताल के बीएमओ डॉ. शिवराज कौशल ने गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के मुताबिक, मनीष गेहलोत पर आरोप है कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर सिविल अस्पताल नागदा में जबरन प्रवेश किया और अस्पताल के कमरे से सरकारी कंप्यूटर का सीपीयू उठाकर ले गए। यह घटना 25 मार्च 2026 को दोपहर 3 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है।

परिवार को दी जान से मारने की धमकी

डॉ. कौशल का आरोप है कि जब उन्होंने इस कृत्य का विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई। उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। यहां तक कि उनकी पत्नी को उठवाने की धमकी भी दी गई, जिससे वे काफी डरे हुए हैं। इस मामले की एक और अहम कड़ी यह भी सामने आई है कि मनीष गेहलोत पर पहले से ही दबाव बनाने के आरोप हैं। डॉ. कौशल के अनुसार, मनीष खुद को एक निजी अस्पताल का संचालक बताते हुए सरकारी अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को अपने अस्पताल में रेफर कराने के लिए दबाव बना रहे थे। डॉ. कौशल का कहना है कि जब उन्होंने इस दबाव को मानने से इनकार किया, तो उनके खिलाफ यह पूरा कहानी रची गई।

शिकायत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि यह कृत्य शासकीय कार्य में बाधा, सरकारी संपत्ति से छेड़छाड़ और आपराधिक धमकी जैसे गंभीर अपराधों की श्रेणी में आता है। फिलहाल, यह शिकायत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि, इस पूरे मामले में शिकायतकर्ता डॉ. शिवराज कौशल ने मीडिया से दूरी बना रखी है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। अब देखना यह होगा कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और आरोपों की सच्चाई क्या सामने आती है।

पहले प्रधानमंत्री की मन की बात और फिर दाऊदी बोहरा जन की सुनी बात

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात का प्रसारण किया गया। जिसे आम्बुआ में रतलाम झाबुआ क्षेत्र की सांसद श्रीमती अनीता चौहान ने भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत माहेश्वरी के कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष मक्कु परवाल (संतोष परवाल) तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष जुवान सिंह रावत एवं अनेक कार्यकर्ताओं के साथ सुना। वहीं मध्य प्रदेश शासन के केबीनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने समीप ग्राम बोरझाड में भाजपा के युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी तथा अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सुनी।

इसके बाद सांसद श्रीमती अनीता चौहान एवं केबीनेट मंत्री नागरसिंह चौहान उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ दाऊदी बोहरा समाज के बीच पहुंचे तथा मस्जिद हॉल में बैठ कर आगामी दिनों में समाज के धर्म गुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन जी के आगामी दिनों में आम्बुआ आगमन पर चर्चा कर समस्याओं आदि की जानकारी प्राप्त की तथा जरूरी समस्याओं को हल करने हेतु संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित भी किया गया व हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया।

जल गंगा अभियान अंतर्गत जल मंदिर की स्थापना

माही की गूंज, आलीराजपुर।

जन अभियान परिषद के द्वारा जल गंगा अभियान के अंतर्गत ÷जल शक्ति से नवभक्ति÷ कार्यक्रम के तहत विकासखंड सोरवा सेक्टर में नवांकुर संस्थाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना कर सराहनीय जनसेवा कार्य किया गया।

इस क्रम में नवांकुर संस्था पहल शैक्षणिक सामाजिक लोक चेतना एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोरवा के सहयोग से ग्राम पंचायत मुख्यालय सोरवा में जन-आवागमन वाले तीन प्रमुख स्थानों पर जल मंदिर स्थापित किए गए। इनमें पुरानी पंचायत भवन स्थित मोबिलाइज़र कार्यालय एवं शासकीय अस्पताल के सामने जल मंदिर स्थापित कर आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

नवांकुर संस्था प्रमुख सुधीर जैन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल मंदिर अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। सहायक उप निरीक्षक मावी ने गर्मी के मौसम में आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की इस पहल की सराहना की, वहीं शिक्षक हरवाल ने इसे दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों के लिए उपयोगी बताया।

इसी क्रम में सोरवा सेक्टर अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मेहणी द्वारा पटेल फलिया, वाकनेरी में भी जल मंदिर की स्थापना की गई। इस अवसर पर समिति की मासिक बैठक का आयोजन कर जल मंदिर की आवश्यकता, संचालन एवं नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष निहाल सिंह जमरा सहित समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन किया गया।

शा.उ.मा.वि में मनाया प्रवेशोत्सव

माही की गूंज, आम्बुआ। जिले के कस्बा क्षेत्र आम्बुआ में शासन के आदेशानुसार 1 अप्रैल को शिक्षण संस्थाओं में नवीन प्रवेश करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था में प्रवेश हेतु उनका स्वागत किया जा कर प्रवेश दिया जाने के समाचार प्राप्त हुए हैं। नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार 1 अप्रैल को किया जाना था। इसी के मद्देनजर पी.एम श्री एकीकृत उ.मा.वि आम्बुआ में सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक करणसिंह रावत की अध्यक्षता तथा वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा के मुख्य आतिथ्य में एवं असलम खांन मकरानी तथा साजिद शेख़ के विशेष आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। तदोपरांत संस्था के प्राचार्य सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। स्वागत उपरांत नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को मंगल तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर संस्था में प्रवेश कराया गया। तथा अतिथियों द्वारा छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं नये सत्र की पुस्तकें प्रदान की गई। नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक करणसिंह रावत ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी, कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गोपाल गोयल ने तथा आभार प्राचार्य लोंगसिंह भयडिया द्वारा व्यक्त किया गया।

गौरी शाह बाबा का उर्स संपन्न चादर पेश कर मांगी अमन-चैन की दुआ

माही की गूंज, आम्बुआ।

समीप ग्राम बोरझाड में हथिनी नदी किनारे स्थित गौरी शाह बाबा की मजार पर आज उर्स मनाया गया उन्हें फूलों के सेहरे के साथ चादर पेश कर क्षेत्र में अमन-चैन कायम रहे ऐसी दुआ की गई।

हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल बने गौरी शाह बाबा की मजार पर प्रतिवर्ष उर्स मनाया जाता है। इस वर्ष भी यह आयोजन आलीराजपुर शहर काजी जनाब हनीफ मियां की रहनुमाई में आम्बुआ मस्जिद से एक जुलूस संदल लेकर जावरा के कव्वाल मुजम्मिल एंड पार्टी के द्वारा कव्वाली पेश करते हुए बोरझाड मजार पर पहुंच कर चादर पेश कर क्षेत्र में अमन-चैन कायम रहे ऐसी दुआ की गई।

जिला स्तरीय विद्यालय प्रवेशोत्सव हुआ आयोजित

कुरीतियों से दूर रहकर शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारे - मंत्री नागरसिंह चौहान

माही की गूंज, आलीराजपुर।

शासकीय कन्या विद्यालय बाहरपुरा, जिला आलीराजपुर में आज जिला स्तरीय विद्यालय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करना और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हजरी बाई खरत, कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम, जिलाध्यक्ष मक्कु परवाल, रिंकेश तंवर, विधायक प्रतिनिधि गोविन्दा गुप्ता, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग संजय परवाल तथा डीपीसी प्रमोद कुमार शर्मा सहित शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुई। इसके पश्चात स्थानीय लोकभाषा में शिक्षा एंथम गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने बच्चों को विद्यालय में प्रवेश के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की बालिकाओं ने 'ये जादू नहीं, विज्ञान है' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर अंधविश्वास और अशिक्षा के विरुद्ध जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। इस अवसर पर कक्षा 1, 9 और 11 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं शिक्षण सामग्री भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही छात्राओं को साइकिल वितरण कर उनकी शिक्षा को और अधिक सुगम बनाने का प्रयास किया गया।

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि प्रशासन द्वारा जिले में 25 से 27 मार्च तक चलाए गए विद्यारंभ कार्यक्रम के तहत जिले में कक्षा 1 में लगभग 94 बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराया गया है, जोकि बड़ी उपलब्धि और सराहनीय है। उन्होंने बच्चों को कुरीतियों से दूर रहकर शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निःशुल्क पुस्तकें, ड्रेस, साइकिल, आवासीय भत्ता और कोचिंग जैसी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं ताकि हर बच्चा शिक्षा प्राप्त कर सके और अपने भविष्य को उज्जवल बना सके। उन्होंने आलीराजपुर जिले के गरीब परिवारों से मध्य प्रदेश लोक सेवा में चयनित हुए बच्चों का उदाहरण देते हुए कहा कि उन बच्चों ने विषम परिस्थितियों में पढ़ाई कर सफलता हासिल की है, वैसे ही सब बच्चे अच्छे से पढ़ाई कर अच्छे अच्छे पदों पर आसीन हो और शिक्षा के महत्व को समझे।

कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने कहा कि सभी बच्चे जिनका विद्यालयों में प्रवेश हुआ है वह नियमित रूप से विद्यालय आए और अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखे। यह आपके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। पढ़ाई केवल अच्छी नौकरी पाने के लिए नहीं करना है बल्कि इससे आपकी सोचने समझने की शक्ति विकसित होती है जो आपके जीवन को सफल बनाने में निश्चित रूप से सहायता करेगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की तुलना दूसरों से न करें, बल्कि उनके हुनर को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज हम भी जिस मुकाम पर है वह कहीं ना कहीं हमारे शिक्षकों के प्रयासों से है इसलिए सभी शिक्षक इसी तरह बच्चों के आदर्श के रूप में अपने आप को बनाए रखे। उन्होंने कहा कि बालपन कोरा कागज होता है उस पर लिखा अमिट होता है इसलिए उन्हें बचपन से ही अच्छे-अच्छे महापुरुषों की कहानी बताए तथा समाज की कुरीतियों से अवगत कराए ताकि वह सही और गलत में फर्क करना सीख सके।कार्यक्रम के अंत में मध्यान्ह भोजन के तहत विशेष भोज का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संघमित्रा गौतम ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया।

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब पहुंचे बरझर

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब जैसे ही बरझर पहुंचे उनकी एक झलक पाने के लिए बोहरा समाज जन आतुर नजर आए। सीधे वफा मस्जिद पहुंचे। जहां पर उन्होंने समाज जनों को संबोधित किया। एक झलक पाने के लिए झाबुआ बड़वानी दाहोद अलीराजपुर सहित कई जगह से बोहरा समाजजन यहां पहुंचे थे। 12.40 बजे सीधे मस्जिद पहुंचे और जोहर की नमाज पढाई। मस्जिद में करीब 1.15 मिनट रूके और समाजजनों को भाईचारे से सभी से रहने व तंबाकू, बीड़ी, शराब, गांजा जेसी नशीली चीजों से दुर? रहने की समझाइश दी।

वह जेसे ही कस्बे में बनी मस्जिद पहुंचे तो उनके आते ही समाज जन या हुसैन और मौला मौला के नारे लगाने लगे। मस्जिद में वाआज हुई। इसके बाद सैयदना साहब हुसैनी भाई अली हुसैन के घर करीब दो घंटे आराम करने के लिए गए। जहां पर पूर्व विधायक माधव सिंह डावर, भाजपा नेता विशाल रावत सहित विभिन्न समाज के पदाधिकारी सैयदना साहब का स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। इसके बाद सैयदना साहब करीब 15 घरों में कदमबोसी करने पहुंचेंगे। साथ ही मोईज कथिरिया के रिश्तेदारों शब्बीर भाई भावरा वाले?की लड़की का घर पहुंचकर इब्राहिम लीमडी वाले से निकाह पढ़या। उसके बाद पैदल सभी 15 घर तीन तीन मिनट के लिए पहुंचे 4.55 बजे भावरा काईथ अली व शब्बीर अली के घर के लिए निकले।

बरझर कस्बे के सभी समाजजनों ने स्वागत किया साथ ही प्रजापत समाज में कोलडीग व उमेश राठोड़ ने पानी के लिए पूरे गांव में पानी की केन व ग्लास की समुचित व्यवस्था की। मुस्लिम समाज सदर हबीब खान व मुस्लिम पच ने मौलाना साहब का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

केमिकल फैक्ट्री उगल रही जहर !

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले में सोयाबीन प्लांट के पास देवास रोड पर स्थित एक केमिकल कंपनी में काम करने वाले लगभग 30 से 35 कर्मचारियों की मेडिकल रिपोर्ट्स ने इन दिनों हड़कंप मचा दिया है। ये कर्मचारी फैक्ट्री में कुछ समय तक काम करने गए थे, लेकिन फैक्ट्री की गैस इतनी जहरीली बताई जा रही है कि पहले कर्मचारियों की आंखों से आंसू आने लगे, फिर कानों में सीटी बजने लगी और देखते ही देखते सुनना भी बंद हो गया।

कर्मचारियों ने इस समस्या को लेकर उज्जैन और इंदौर से लेकर बड़ोदरा (गुजरात) तक इलाज करवाया, लेकिन फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जांच में पता चला कि उनके कान 70 से 80 प्रतिशत तक खराब हो चुके हैं।

पूरा मामला कुछ इस प्रकार है कि उज्जैन के नागझिरी थाना क्षेत्र में एक निजी केमिकल कंपनी में काम करने वाले 30 से 35 कर्मचारी काफी समय से यहां कार्यरत थे। इस केमिकल फैक्ट्री में कई रसायनों का निर्माण किया जाता है। कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार केमिकल के संपर्क में रहने और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है।

कर्मचारियों का कहना है कि जब उन्होंने कम सुनाई देने की समस्या को लेकर मेडिकल जांच करवाई, तो पता चला कि उनके कान 70 से 80 प्रतिशत तक खराब हो चुके हैं। कंपनी के एक-दो नहीं, बल्कि 30 से 35 कर्मचारी अब सुनने के लिए मशीन का सहारा लेने को मजबूर हैं।

कहीं से भी नहीं मिला न्याय

केमिकल कंपनी में काम कर बहरे हो चुके कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने अपनी समस्या कंपनी प्रबंधन को बताई थी, लेकिन जिम्मेदारों ने उनकी बात सुनने के बजाय कंपनी में ऐसी कोई समस्या न होने की बात कही। कर्मचारियों ने बताया कि यहां काम करने के दौरान आंखों से पानी आना और कानों से कम सुनाई देना शुरू हो गया था, इसलिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी। कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के साथ ही लेबर कोर्ट, कलेक्टर, एसपी और नागझिरी थाने में भी आवेदन दिया, लेकिन इसके बावजूद उनकी समस्या पर कोई सुनवाई नहीं हुई। अब भी वे न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

डॉक्टर बोले- ऑपरेशन कराना पड़ेगा

केमिकल कंपनी में काम कर 50 से 80 प्रतिशत तक सुनने की क्षमता खो चुके वासुदेव सोलंकी और राजेश परमार ने बताया कि वे उज्जैन, इंदौर और बड़ोदरा तक इलाज करवा चुके हैं। आंखों से आंसू आने की समस्या तो काम छोड़ने के बाद खत्म हो गई, लेकिन सुनने की क्षमता लगभग समाप्त हो चुकी है। स्थिति यह है कि अगर वे कान में मशीन न लगाएं, तो उन्हें कुछ भी सुनाई नहीं देता। डॉक्टरों का कहना है कि ऑपरेशन कराना पड़ेगा, क्योंकि नसों में केमिकल जमा हो गया है।

बहरेपन के कारण काम नहीं मिल रहा

इस बहरेपन की समस्या से 30 से 35 कर्मचारी प्रभावित हैं। केमिकल कंपनी छोड़ने के बाद भी उन्हें कहीं काम नहीं मिल रहा। जहां भी ये लोग नौकरी के लिए जाते हैं, 15 से 20 दिनों में ही उनकी समस्या सामने आ जाती है और उन्हें काम से निकाल दिया जाता है। हालात यह हैं कि इन मजदूरों को न तो रोजगार मिल पा रहा है और न ही न्याय।

जल अपुर्ति को लेकर प्रशासन के दावे खोखले साबित होते नजर आ रहे

जिला जल अभावग्रस्त, भू-जल स्तर में बड़ी गिरावट, चिंता का विषय

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मिल मंसुरी

जिले की भोगोलिक स्थिति को अगर देखें तो पथरिली और अनउपजाउ जमीन, पानी की किल्लत और कई तरह की कठोर परिस्थितियों से घिरा हुआ है। जिले की यह स्थिति लगभग आजादी के बाद से ही बनी हुई है। जिले की इस परिस्थिति को बदलने के लिए लगातार आजादी के बाद से शासन और सरकारें कागजी घोड़े दौड़ा रहे है, लेकिन स्थितियां आज भी ढाक के तीन पात ही साबित हो रही है। वैसे तो प्रशासन और सरकारों ने इस जिले की भोगोलिक स्थिति को बदलने के कई कागजी प्रयास किए है। लेकिन जमीनी हकीकत अब भी उसके उलट ही दिखाई दे रही है। फिलहाल ग्रीष्म ऋतु का आगमन हो चुका है और जिले में सबसे बड़ा संकट जल संकट हमेशा की तरह दिखाई देने लगा हैं। वैसे तो जल संकट से निपटने के लिए शासन और सरकारें हर बार नित नई योजनाएं लेकर आती है, लेकिन परिस्थितियों में इसका बदलाव देखने को नहीं मिल पाता है। आजादी के बाद से पिछले कई दशकों में शासन और सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू कर पहले मनरेगा के तहत जिले के आदिवासी मजदूरों को मजदूरी देने के नाम पर कई जल संरचनाएं बनवाई गई। यह क्रम अब जय राम जी के नाम से निरंतर जारी है। मजदूरों द्वारा बनाई गई इन जल संरचनाओं का उद्देश्य बहुत साफ था कि, मजदूरों को रोजगार मिले और जमीन का भू-जल स्तर बढ़े, लेकिन परिणाम है कि कहीं से भी आने को तैयार नहीं है। शासन और सरकार के दशकों के लंबे और थकाउ योजनाक्रम के बादजूद जिले की वर्तमान स्थिति ढाक के तीन पात ही साबित हो रही है।

दशकों से चल रही योजनाओं के परिणाम अब भी ऋणात्मक ही दिखाई दे रहे है। वर्तमान ग्रीष्मकाल के शुरूआती दौर में ही कलेक्टर ने जिले को जल अभावग्रसित घोषित कर दिया है। जबकि इस वर्ष जिले में वर्षा का आंकड़ा औसत से कई अधिक है। जिले की औसत वर्षा की अगर बात करें तो यह लगभग 30 इंच तक है, इसके उलट इस वर्ष जिले में लगभग 43 इंच वर्षा हुई है। बावजूद इसके कलेक्टर नेहा मीणा ने जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर जिले में चल रही तमाम पेयजल योजनाओं पर सवालिया चिन्ह लगा दिए है।

तंत्र के तकनीकी अधिकारियों की माने तो जिले का भू-जल स्तर लगभग 20 से 25 मीटर तक गिरा है। यह आंकड़ा चौकाने वाला तो है ही लेकिन यह चिंताजनक भी है। आंकड़ों को अगर सही माने तो यह जिला प्रशासन की रिती-निती पर भी सवाल खड़े करता नजर आ रहा है। पिछले लगभग एक दशक पर नजर डाले तो जिला प्रशासन और सरकार ने मनरेगा के तहत जिले में जगह-जगह सर्वाधिक तालाबों, स्टॉपडेमों और बांधों का निर्माण किया है। इनका भी असल मकसद सिंचाई और भू-जल स्तर को बढ़ावा देने का ही था। अब वर्तमान स्थिति यह बता रही है कि, सरकारें और जिला प्रशासन 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' कहावत को चरितार्थ कर रहा है। इस स्थिति से यह भी साबित होता है कि, मनरेगा में हुए इन तालाब, स्टॉपडेम और बांधों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जबकि पुराने दौर में बने तालाब, स्टॉपडेम और बांध अब भी अपनी स्थिति में खड़े हुए है। नए तालाब, स्टॉपडेम और बांधों को लेकर जिले में कोई चर्चा नहीं है, ना ही वे भू-स्तर को बढ़ावा देने में सफल साबित हुए है। जबकि पुराने और राजाशाही जमाने के तालाब अब भी जिले में जिंदा और लाभप्रद दिखाई देते है। जिला मुख्यालय के आसपास बने धमोई, गुलाबपुरा जैसे बांध व तालाब अब भी भू-जल स्तर को बढ़ा रहे है और किसानों को सिंचाई के काम भी आ रहे है। इसके अलावा कुछ नई परियोजनाएं भी है लेकिन वे पुरानी योजनाओं के मुकाबले हल्की ही साबित हो रही है। जिले में ऐसे ही कई और भी उदाहरण है।

शासन व सरकारों द्वारा बनाए गए 25, 50 या 1 करोड़ तक के बने नए तालाब या तो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर फूट चुके है या फिर कईयों में जल संग्रहण होता ही नहीं है। हर वर्ष वर्षा ऋतु के दौरान यह खबर प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया पर सुर्खियां बटोरती है कि, आज जिले में फंला गांव में तालाब फूटा या बह गया, तालाब की पाल में दरार आ चुकी है और दुर्घटना का अंदेशा है। जबकि इसके उलट राजाशाही जमाने में बने या दशकों पहले की सरकारों में बने तालाब अब भी टीके हुए दिखाई पड़ते है। यह स्थिति यह दर्शाती है कि, समय के साथ-साथ सरकारी निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार नामक दीमक किस कदर लग चुकी है। अगर यह काम सही और ईमानदारी से हुए होते तो आज वर्तमान में शायद यह स्थिति जिले में नहीं बनती दिखाई देती। आज जिले का भू-जल स्तर 20 से 25 मीटर तक गिर चुका है। जबकि होना तो यह चाहिए था कि, दशकों की मेहनत रंग लाती और यही भू-जल स्तर जिले में बढ़ता नजर आता। मगर वर्तमान में जिले की स्थिति ढाक के तीन पात ही साबित हो रही है।

प्रशासन और सरकारों के अलावा भी जिले में कई सामाजिक संस्थाएं है जो भू-जल स्तर को लेकर काम कर रही है। हर साल भू-जल स्तर बढ़ाने को लेकर जिले में हलमा हो रहा है। हजारों कंटूर लोगों की मदद से खोदे जा रहे है। जिले के कई हिस्सों में इस प्रक्रिया को दोहराया जा रहा है। इसको लेकर उक्त संस्था भू-जल स्तर बढ़ने के दावे भी करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कितनी है यह किसी को नहीं पता। हालांकि उक्त संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनी है। जल सहयोग से कई तालाबों का निर्माण गांव-गांव हो रहा है, लेकिन इसकी सार्थकता पर सरकारी आंकड़े भी सवालिया निशान खड़ा कर देते हैं। जिले में कई एनजीओ भी भू-जल स्तर को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे है। इन एनजीओ को सरकार फंडिंग भी करती है, लेकिन एनजीओ के यह प्रयास कहीं जमीन पर दिखाई ना देकर कागजी घोड़े ही साबित होते दिखाई देते है।

अब जिला कलेक्टर ने जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से भू-जल स्तर लगभग 25 मीटर तक गिर चुका है। निजी बोरिंग व नए कनेक्शनों पर 30 जून तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगर वर्षा ऋतु में देरी होती है तो यह अवधी और भी बढ़ाई जा सकती है। हालांकि यह आदेश हर वर्ष ही जारी होता है। पिछले पांच सालों में यह आदेश जनवरी और फरवरी में ही जारी होता रहा है, लेकिन इस बार यह आदेश मार्च के अंत में जारी हुआ है। इससे यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि, स्थिति इतनी खराब नहीं है, लेकिन जिले में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए यह आदेश जारी किए गए है। आदेश में और भी कई प्रकार के प्रतिबंध जारी किए गए है। जैसे - पानी का गैर जरूरी कार्यों में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों से बिना सक्षम अनुमति के कोई भी व्यक्ति सिंचाई, औद्योगिक या किसी और उद्देश्य से पानी नहीं ले सकेगा। जरूरत पड़ने पर प्रशासन निजी जल स्त्रोतों का अस्थाई अधिग्रहण भी कर सकेगा। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में बोरिंग या नए नल कनेक्शन के लिए एसडीएम कार्यालय से अनुमति ली जा सकेगी। इसके लिए 50 रुपए का चालान जमा कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा। संबंधित अधिकारी नियमों के तहत अनुमति दे सकेगें।

इधर विशेषज्ञों की अपनी अलग ही राय है। इस वर्ष जिले में औसत वर्षा 30 इंच के मुकाबले 42.79 इंच दर्ज की गई थी। औसत से अधिक वर्षा के कारण जिले के समस्त जल स्त्रोत वर्षा ऋतु के बाद तक लबालब हो गए थे। बावजूद इसके अब जलसंकट उत्पन्न होना चिंताजनक है। इसका मुख्य कारण भू-जल का अत्यधिक दोहन है। रबी सीजन में किसानों द्वारा सिंचाई के लिए बहुत अधिक पानी का उपयोग किया गया, जिससे अब ग्रीष्म ऋतु की शुरूआत में ही जल स्तर गिरने लगा है।

महिला की डूबने से मृत्यु होने के पश्चात घंटों इंतजार करते रहे परिजन

माही की गूंज, पेटलावद।

यह कैसा सिस्टम जहां परिजनों का एक सदस्य अकस्मात काल का शिकार हो जाता है। ऐसे समय पेटलावद स्वास्थ्य विभाग की अमानवियता के चलते पोस्टमार्टम हेतु पीड़ित परिजन घंटो डॉक्टरो का इंतजार करते रहै। जब पीड़ित परिजन ने जनप्रतिनिधियों से सहयोग की गुहार लगाई तब जनप्रतिनिधियों के फोन घनघनाने के बाद डॉक्टरो की टीम पहुंची।

स्वास्थ्य विभाग की नाकामी उजागर करता यह परिदृश्य

सोमवार को ग्राम मोकमपुरा तहसील पेटलावद की महिला नेहा पति सुखराम उम्र 18 वर्ष की डूबने से मृत्यु होने के पश्चात कई घंटों तक कड़ी धूप मे पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनो को परेशान होना पड़ा।

पुलिस और अस्पताल प्रशासन से प्राप्त जानकारीनुसार पोस्टमार्टम के लिए डॉ. ममता वास्केल और डॉ. सचिन मौर्य का पैनल बनाया गया था। किंतु डॉ. ममता वास्केल के पोस्टमार्टम करने से मना कर देने के कारण परिजनो को परेशान होना पड़ा। तत्पश्चात करवड़ से महिला डॉ के आने के बाद पोस्टमार्टम हो सका। जब इस मामले में पैनल वाले डॉक्टर से चर्चा की तो पता चला कि, उन्हें भी पोस्टमार्टम करना यह जानकारी नहीं थी।

जब इस मामले में झकनावदा चौकी प्रभारी श्री सिसोदिया से बात की तो उन्होंने बताया कि, इतना लेट पीएम होने का कारण मुझे पता नहीं। हमने समय पर सूचना स्वास्थ्य अधिकारी को कर दी थी और परिजन भी तत्काल मृतक नेहा को लेकर समय पर पहुंच गए थे। इधर झकनवादा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि, लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है हर बार ऐसा ही होता है। हमने कई बार यह मुद्दा उठाया पर यह समस्या अभी तक बनी हुई है।

अनियमित्ताओं के साथ दुर्घटना को बुलावा देती सड़क...

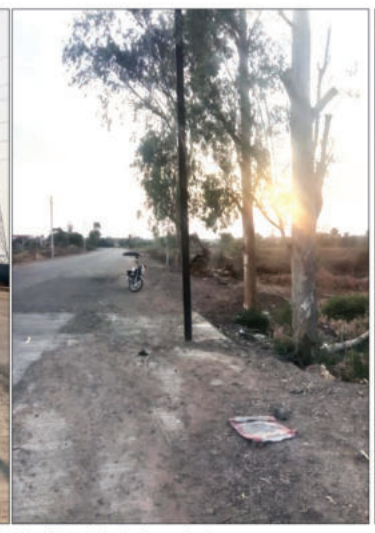

नई बनी सड़क के अंदर इस तरह से खड़े ये बिजली के खंबे दे रहे दुर्घटना को न्योता।

अभी ही बनी यह सड़क और टुटने लगी जो कर रही भ्रष्टाचार को उजागर।

माही की गूंज, खवासा।

टारगेट यह कि, महाकाल सिंहस्थ के पहले सड़क निर्माण को पूरा करना। इसी कड़ी में रतलाम-झाबुआ सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है जो रतलाम से करवड़, बामनिया, खवासा, थांदला होकर झाबुआ फुल माल तक की सड़क का 10 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। उक्त सड़क निर्माण का कार्य वर्तमान में बामनिया से थांदला के मध्य 25 किलोमीटर सड़क मार्ग में करीब 16 से 17 किलो मीटर तक का सड़क निर्माण पुरा किया जा चुका है। वही थांदला से मेघनगर के मध्य सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

बात करें बामनिया से खवासा होकर थांदला के मध्य सड़क निर्माण कार्य की तो, यहां पुराने पुलो में पाइप बढाकर पुराने को नया कर दिया। वहीं सड़क निर्माण में अनियमित्ताए भी की गई जो अनियमित्ताए अब सामने भी अभी से दिख रही है। 16 से 17 किलोमीटर हुए इस सड़क निर्माण में अभी से सड़क खुदती हुई दिख रही है। जो सड़क आमजन के लिए सुविधा युक्त बनाए जाने की बात कही जा रही है वहीं सड़क दुर्घटनाओं को न्योता भी देती नजर आ रही है। लेकिन न ही पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी ध्यान दे रहे हैं और न ही ठेकेदार व उसके कर्मचारी ध्यान दे रहे हैं। उक्त सड़क को 10 मीटर चौड़ा किया गया है पूर्व में जो बिजली के खंभे सड़क किनारे थे वह अब सड़क के अंदर खड़े हैं। वही जहां बस स्टॉप गांव में है वहां सीसी रोड़ निर्माण किया गया है उक्त सीसी सड़क निर्माण के अंदर भी बिजली के खंभे खड़े हैं। जो सरपट बनी सड़क के अंदर उक्त खड़े बिजली के खंबे दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं। लेकिन इसे देखने वाला कोई नहीं है। वहीं कुछ जगह ऐसा भी देखा जा रहा है कि, बिजली खंबे की तार की तान है व सड़क किनारे या सड़क के अंदर है जो भी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रही है। जबकि नियमानुसार सड़क डामरीकरण या सीसी रोड़ निर्माण के पूर्व ही उक्त बिजली के खम्बो को निकालकर अन्य नए खम्बो पर विद्युत सप्लाई के बाद सड़क डामरीकरण या सीसी रोड़ का निर्माण किया जाना था। लेकिन ठेकेदार की मनमानी व अनियमित्ताओं के चलते लापरवाहीया बरत कर उक्त बिजली के खंभे अब नई सड़क निर्माण के किनारे और सड़क के अंदर खड़े हैं। वहीं सड़क ठेकेदार द्वारा जो नालियां बनाई गई है वह भी अपने भ्रष्टाचार की मुह जुबानी बयां कर रही है। ठेकेदार की उक्त लापरवाही की ओर पीडब्ल्यूडी विभाग को ध्यान त्वरित देना चाहिए नही तो बड़ी किसी अनचाही दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं अभी से उखड़ती सड़क निर्माण कार्य में अपने भ्रष्टाचार को उजागर कर रही है उक्त सड़क की गुणवत्ता की भी जांच विभाग द्वारा किया जाना चाहिए।

खवासा-थांदला के मध्य जहा-जहा गाव में बनी सीसी सड़क वहा बनी नाली भी अपने भ्रष्टाचार का कर रही खुलासा।

बस व बाईक के विरूद्ध पुलिस की चालानी कार्रवाई

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र चौहान

स्थानीय पारा पुलिस में 26 से 31 मार्च के मध्य 5 दिनी चालानी कार्रवाई बाईक चालक व बसों के विरुद्ध की गई। 5 दिनी उक्त चालानी कार्रवाई में 30 बाईक चालक व 23 बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस की उक्त कार्रवाई में अब तक 23 बसों के विरुद्ध जो चालानी कार्रवाई की गई वह कार्रवाई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई पारा में कहीं जा सकती है। पुलिस की उक्त कार्रवाई पर आम चर्चा में उनकी सराहना भी की जा रही है।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि, उक्त कार्रवाई माही की गूंज में पिछले दिनों जो समाचार प्रकाशित हुए थे जिसमें पारा से गुजरात जाने वाली बसों के संबंध में उल्लेख था। उक्त समाचार के असर के चलते ही मार्च के अंतिम दिनों में बसों के भी विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है। लोगों का कहना है कि, पुलिस की उक्त कार्रवाई सराहनीय है पर यह कार्रवाई महज टारगेट पूर्ति के लिए ही न हो। यह कार्रवाई पुलिस की निरंतर जारी रहना चाहिए व इन बसों में जो गुजरात की ओर जाती है उनकी सघन जांच निरंतर होना चाहिए ताकि उक्त बसों के माध्यम से कोई अवैधानिक कार्य न हो। तथा दस्तावेजों की जाच निरंतर होना चाहिए जिससे किसी दुर्घटना या अनहोनी होने पर बस में यात्रा करने वाले यात्रियों एवं परिवार को परेशानी से न झुझना पड़े।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422